Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Monday, 23 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 245 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

BRIEF NEWS

## हटिया रेलवे स्टेशन पर 43 बोतल शराब जब्त

**RANCHI :** रविवार को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया स्टेशन से 43 बोतल शराब जब्त किया है। उप निरीक्षक दीपक कुमार ने बताया कि रांची आरपीएफ मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर ट्रेनों तथा रेलवे स्टेशनों मे शराब तस्करों के खिलाफ लगातार अभियान ऑपरेशन सतर्क के तहत जारी है। इसी क्रम में आरपीएफ रांची के सहायक सुरक्षा आयुक्त एके सिंह के पर्यवेक्षण में गाड़ी संख्या 18624 के हटिया स्टेशन आगमन पर चेक करने पर जनरल डिब्बे के टॉयलेट में तीन झोली रखा देखा। चेक करने पर उसके अंदर 43 शराब की बोतलें पाई गई। इसकी अनुमानित कीमत 39 हजार रुपये आंकी गई।

## पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर आज पलामू में

**RANCHI :** सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर 23 सितंबर को गढ़वा जिले के उंटारी रोड में दोपहर 1:30 बजे से आयोजित परिवर्तन यात्रा महासभा में शामिल होंगे। ठाकुर पलामू जिले के हुसैनाबाद के हाई स्कूल मैदान, हैदरनगर में आयोजित परिवर्तन महासभा में 2:30 बजे शामिल होंगे।

## जाति के आधार पर लोगों को बांट रही भाजपा : सुप्रियो

**RANCHI :** झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा सांप्रदायिकता

और धर्म के बाद अब जाति के आधार पर लोगों को बांटना चाह रही है। झारखंड में भाजपा की ओर से नेताओं को जातीय प्रलोभन दिया जा रहा है। आज ये लोग कुरमी को पूछ रहे, कल यादव को पूछेंगे, परसों ब्रह्मण को पूछेंगे। इसी तरह ये लोग राजपूत और कायस्थ को भी एक दिन लुभायेंगे। सुप्रियो भट्टाचार्य रविवार को पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। सुप्रियो ने कहा ये लोग किस समाज की बात कर रहे हैं। कैसे झारखंड को तोड़ना चाहते हैं, इसकी बानगी बीजेपी की इस घोषणा में दिखाई पड़ी है। उन्होंने कहा कि इनके एक सांसद लोकसभा में खड़ा होकर झारखंड से संथाल को अलग करने की बात कह चुके हैं।

## जनता हेमंत सरकार के भ्रष्टाचार से त्रस्त : प्रतुल

**RANCHI :** रविवार को भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड मुक्ति मोर्चा पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि सिर्फ तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा ने पिछले पांच वर्षों में झारखंड का बेड़ा गर्क करके रख दिया। प्रतुल ने कहा कि झारखंड की जनता इस सरकार के भ्रष्टाचार लूट और कुशासन से त्रस्त हो गई है। इसलिए भाजपा के परिवर्तन यात्रा को शानदार सफलता मिल रही है, जिससे जेएमएम हकलान हो गया है। प्रतुल ने कहा कि पूरे प्रदेश में जनता को भाजपा की परिवर्तन यात्रा से एक आशा दिख रही है कि आतंक राज का अंत होगा।

### अटल क्लिनिक के उद्घाटन कार्यक्रम में झारखंड हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस बोले-

# वृद्धाश्रम में माता-पिता को छोड़ने वालों को माफ नहीं करते ईश्वर

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को झारखंड हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद ने अटल क्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सभी वृद्ध माता-पिता उनके अभिभावक हैं। आपलोगों का हक है सरकारी योजनाओं का लाभ पाना। उस लाभ को पहुंचाने के लिए हम सभी बच्चे आपके पास आए हैं। कोई भी मां अपने बच्चे को कोख में नौ माह पालती है और बाद में वही बच्चा बड़ा होकर अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ देता है। यह गलत है। भावुक होकर उन्होंने कहा कि जो बच्चे अपने माता-पिता को वृद्धाश्रम में छोड़ते हैं, उन्हें ईश्वर कभी माफ नहीं करते हैं। रविवार को अपना घर (ओल्ड-एज-होम, हेसाग) में वृद्धजनों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में वे बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बीमारी वृद्ध होने के बाद शुरू होती है। उस समय दवा और इलाज की जरूरत होती है। इसी उद्देश्य से अटल क्लिनिक का उद्घाटन किया गया है। रांची सिविल कोर्ट के न्यायायुक्त दिवाकर पांडे ने कहा कि वृद्धजनों को लाभ पहुंचाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। आगे भी इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा ताकि वृद्ध माताओं को लाभ मिल सके। अटल क्लिनिक खुलने के बाद लगातार इनकी स्वास्थ्य जांच की जाएगी और इलाज की सुविधा दी जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि हमलोग वृद्धजनों के सेवा के लिए सदैव तत्पर हैं और आगे भी पुलिस प्रशासन, झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार के साथ मिलकर वृद्धजनों की सेवा करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश सुजीत नारायण प्रसाद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मौके पर रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, वरीय पुलिस अधीक्षक चंदन कुमार सिन्हा, सिविल सर्जन प्रभात कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, झालसा के उपसचिव अभिषेक कुमार, उच्च न्यायालय के प्रोटोकॉल ऑफिसर राकेश रंजन, डालसा सचिव कमलेश बेहरा, सिविल कोर्ट के प्रभारी रजिस्ट्रार अशोक कुमार, न्यायिक दंडाधिकारी एकता सक्सेना समेत अन्य मौके पर उपस्थित थे।

### बुजुर्गों को दिलाया जा रहा योजनाओं का लाभ

झालसा की सदस्य सचिव कुमारी रंजना अस्थाना ने कहा कि आज का यह कार्यक्रम पूरे राज्य में वृद्धजनों को समर्पित है। आज प्रत्येक जिले में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा) द्वारा वृद्धाश्रमों में विधिक जागरूकता सह मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर वृद्धों के लिए आधार कार्ड, वोटर आईडी कार्ड, वृद्धा पेंशन कार्ड आदि बनाया जा रहा है, ताकि इसका लाभ वृद्धजनों को मिल सके।

# पैसे लेकर होमगार्ड की फर्जी बहाली, एक अरेस्ट

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में 1.30 लाख रुपये देकर फर्जी तरीके से होमगार्ड जवान बहाल किए जा रहे हैं। विभागीय जांच में खुलासा होने के बाद और धुर्वा थाने में दर्ज शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आसिफ अंसारी के मुताबिक उसने होमगार्ड के कंपनी कमांडर कैलाश यादव को इसके लिए पैसे दिए थे। पैसे मिलते ही साल 2021 में आसिफ अंसारी को फर्जी तरीके से होमगार्ड का आरक्षी बना दिया गया था।

इसके लिए ना कोई प्रक्रिया पूरी की गई और ना कोई ट्रेनिंग। इस दौरान आसिफ अंसारी लोकसभा चुनाव 2024 के अलावा राज्य के अलग-अलग जिलों में सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात रहा। जांच में पता चला है कि आसिफ को लापता एक होमगार्ड जवान के आरक्षी नंबर पर फर्जी तरीके से बहाल किया गया था। होमगार्ड के डीजी अनिल पाल्टा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने ईटीवी भारत को बताया कि उनके आदेश पर विभागीय

जांच शुरू हुई थी। अब तक कंपनी कमांडर समेत पांच लोगों की पहचान हो चुकी है। इसमें एक की गिरफ्तारी भी हो गई है। उन्होंने बताया कि इस रैकेट में और कौन-कौन लोग शामिल हैं, उनको चिन्हित करने की कवायद चल रही है। खास बात है कि फर्जी बहाली के बाद से ड्यूटी के बदले आसिफ अंसारी को विभाग द्वारा 2 लाख 59 हजार का भुगतान भी हो चुका है। इस खुलासे के बाद से कंपनी कमांडर कैलाश यादव समेत अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। फरार चल रहे निसार अंसारी, आसिफ अहमद और जगदेव टोप्पो की गिरफ्तारी के बाद कई और बड़े खुलासे होने की संभावना है। फिलहाल आसिफ अंसारी को जेल भेज दिया गया है।

# सोलर हाई मास्ट लाइट से जगमगाएंगे गांव : मंत्री

**PHOTON NEWS RANCHI :** रक्षा राज्य मंत्री सह रांची के सांसद संजय सेठ की एक और महत्वपूर्ण कोशिशि सफल हुई है। इसका सकारात्मक परिणाम भी दिखने लगा है। रांची लोकसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में 2000 सोलर हाई मास्ट लाइट लगाए जाने की स्वीकृति मिली है। बहुत जल्द सभी लाइट ग्रामीण क्षेत्रों में लगाई जाएगी। इस आशय की जानकारी देते हुए केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने रविवार को अपने केंद्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रांची लोकसभा क्षेत्र से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों में प्रकाश की समुचित व्यवस्था हो, इस उद्देश्य के साथ मेरा एक प्रयास था कि हर गांव तक सोलर लाइट लगे। मेरे इस प्रयास को सफलता मिली है। 6 करोड़ की लागत से 2000 हाई मास्ट लाइट की स्वीकृति प्रदान की गई है। एक लाइट की कीमत लगभग 30 हजार रुपए है। यह सभी लाइट 15 फीट

के पल पर लगेगी, जिसमें 30 वाट के 6 लाइट होंगे। सबसे अच्छी बात होगी कि यह लाइट सोलर से चार्ज होगा और शाम में अंधेरा होने पर खुद जल जाएगा। इस प्रकाश के माध्यम से गांव के नुक्कड़ चौक चौराहे सभी रोशन होंगे और हाथी प्रभावित क्षेत्रों में भी लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। इन सोलर लाइट को सरना स्थल, धूमकुडिया भवन, सामुदायिक भवन, अखाड़ा, चौपाल, महत्वपूर्ण चौक चौराहा, पंचायत भवन, चबूतरा, हाथी प्रभावित क्षेत्र व अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाए जाएंगे।

## जेसीआई ने डांडिया नाइट पोस्टर का किया विमोचन

**RANCHI :** रविवार को जूनियर चैंबर इंटरनेशनल (जेसीआई) रांची ने जलसा, डांडिया नाईट का पोस्टर का विमोचन किया। संस्था के अध्यक्ष विक्रम चौधरी ने कहा कि यह जलसा का पांचवा संस्करण होगा। जलसा का आयोजन पांच अक्टूबर को रांची क्लब (मेन रोड) में होगा। चौधरी ने कहा कि इस साल डांडिया नाईट में टिकट धारको को बम्पर तम्बोला का टिकट मुफ्त में मिलेगा और तम्बोला में कई इनाम दिया जायेगा। यह कार्यक्रम कुछ अलग होगा। कार्यक्रम में भारत की बेहतरीन डीजे आन्वी आ रही है। खास गुजराती डांस ट्रुप भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। बेहतरीन साउंड, लाइट इफेक्ट्स, प्रोफेसनल एंकर, लजीज व्यंजन, आकर्षक डेकोरेशन, किड्स जोन इस कार्यक्रम का खास आकर्षण होंगे। जेसीआई रांची के प्रवक्ता अमन पोद्दार के मुताबिक, संस्था अपने टिकट धारकों के लिए सेफ्टी का भी खास ध्यान रख रही है।

# कांग्रेस कार्यकर्ताओं की भावनाओं का सम्मान अवश्य होगा : राजू

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा, अल्पसंख्यक विभाग एवं एलडीएम कोऑर्डिनेटर की बैठक कांग्रेस भवन में हुई। इसमें विभागों के राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर के राजू, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, विधायक दल नेता डॉ. रामेश्वर उरांव, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप कुमार बालमुचू विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर के राजू ने कहा कि संगठन के कार्यकताओं की भावनाओं का सम्मान अवश्य होगा। वर्तमान सरकार में कुछ कार्य अधूरे पड़े हैं जिसे पूरा करने की पहल की जाएगी। अनुसूचित जाति आयोग,वक्फ बोर्ड का गठन जैसे कई मुद्दे हैं जो सरकार और संगठन के बीच आवश्यकता अनुसार तालमेल बैठाकर पूरा किया

कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस के नेता व कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

जाएगा। अभी हमारे सामने विधानसभा चुनाव के रूप में एक लड़ाई है जिसे हमें जीतना है।विरोधी झूठ के हथियारों से वार कर रहे हैं जिससे बचकर जनता के बीच सच रखना है। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि संगठन के हर कार्यकर्ता का दर्द समझता हूं और उचित समय आने पर सभी को उनका प्रतिनिधित्व अवश्य मिलेगा।भाजपा घुसपैठ की बात करके चुनाव के समय लोगों को लड़ा कर अपनी राजनीतिक रोटी सेकना चाहती है लेकिन जनता ऐसे मुद्दों को तवज्जो नहीं दे रही है।आम लोगों द्वारा भाजपा के मुद्दों से दूरी बनाने के कारण इनमें बौखलाहट है। पूरी केंद्रीय सरकार और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों की कैबिनेट झारखंड में उतर चुकी है।संगठन के कार्यकताओं को समझना होगा कि चुनाव की अहमियत क्या है। आपसी मतभेदों को परे रखकर चुनावी तैयारी में लगना होगा। कांग्रेस उम्मीदवार सहित गठबंधन को उम्मीदवारों के लिए मजबूती से काम करना है।

## बार में पुलिस का छापा मैनेजर गिरफ्तार

**RANCHI :** सुखदेव नगर थाना क्षेत्र स्थित मॉल ऑफ रांची में संचालित बीयर बार लार्ड ऑफ दी ड्रिंक्स के मैनेजर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार मैनेजर का नाम मनीष सिंह है और वह बिहार के गया जिले का रहने वाला है। सुखदेव नगर थाने की पुलिस ने शनिवार देर रात छापेमारी की थी जिसके बाद यह कार्रवाई की है। वरीय अधिकारियों को लगातार सूचना मिल रही थी कि मॉल ऑफ रांची में संचालित बीयर बार लॉर्ड आफ दी ड्रिंक्स में देर रात तक पार्टी का आयोजन जारी है। इसके बाद पुलिस ने शनिवार देर रात छापेमारी कर कार्रवाई की है। कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने रविवार को बताया कि मैनेजर को गिरफ्तार किया गया है ।मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने को कहा था कि रात 12 बजे के बाद किसी भी हालत में बार एवं रेस्टोरेंट खुले न रहें।

# कदमा मैदान में शुरू हुआ 12वां ग्रामीण लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को ग्रामीण उत्थान सहयोग संस्था, कांके के बैनर तले 12वां ग्रामीण लीग कप फुटबॉल टूर्नामेंट का शुभारंभ कांके के कदमा मैदान में किया गया। टूर्नामेंट का शुभारंभ कांके प्रखंड के उप प्रमुख अजय बैठा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और फुटबॉल को किक मार कर की। उद्घाटन मैच में पुरुष वर्ग में बीवाईसी सुकुरहुट्टू और बीएनसी बोडेया के बीच खेला गया। बीएनसी बोडेया ने 2-1 से सुकुरहुट्टू की टीम को हरा कर विजयी रही। वहीं महिला वर्ग में आशा फुटबॉल एकेडमी पिठोरिया और रांची के बीच खेला गया। कड़ा मुकाबले के बाद रांची की

खिलाड़ियों के साथ अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

टीम ने पिठोरिया की टीम को 3 गोल दाग कर मैच को अपने नाम कर लिया। मौके पर उप प्रमुख अजय बैठा ने कहा कि टूर्नामेंट के आयोजनकताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने पुरुष के साथ-साथ महिला वर्ग की टीम को भी टूर्नामेंट में शामिल किया है। आज कांके क्षेत्र की कई महिला खिलाड़ियों ने नेशनल लेवल पर अपना जलवा बिखेर कर पूरे कांके क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कांके क्षेत्र में प्रतिभा की कमी नहीं है। सिर्फ यहां के खिलाड़ियों को एक मंच देने की आवश्यकता है।

## 217 होमगार्ड जवानों की पासिंग आउट परेड संपन्न

**RANCHI :** धुर्वा स्थित केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान में रविवार को 217 होमगार्ड्स की पासिंग आउट परेड आयोजित की गयी। कार्यक्रम का नेतृत्व कमांडेंट सीटीआई कौशिक कुमार ने किया। 63 दिवसीय इस प्रशिक्षण में शारीरिक और शस्त्र प्रशिक्षण शामिल था। मुख्य अतिथि के रूप में डीआईजी होमगार्ड्स अजय लिंडा शामिल हुए।प्रशिक्षण की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि पहली बार महिला होमगार्ड्स को इंसास राइफल का प्रशिक्षण और फायरिंग कराई गयी। कई प्रशिक्षुओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, कुछ ने इंसास और ।303 राइफल में 10/10 का सटीक निशाना लगाया। पासिंग आउट परेड का नेतृत्व परेड कमांडर अपर्णा कुमारी ने किया।

# सम्मान समारोह में पांच हजार से अधिक शिक्षक हुए सम्मानित

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को पासवा ने झारखंड के सबसे बड़े राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह रांची विश्वविद्यालय के दीक्षांत मंडप में आयोजित किया। मुख्य अतिथि के तौर पर झारखंड के शिक्षा मंत्री बैजनाथ राम, डॉ रामेश्वर उरांव, राष्ट्रीय सलाहकार शैली विष्ठ, पासवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक दुबे, उपाध्यक्ष लाल किशोर नाथ शाहदेव, डॉ राजेश गुप्ता छोटू नीरज कुमार, डीएवी के पूर्व डायरेक्टर एलआर सैनी, आकांक्षा के डायरेक्टर भीके सिंह ,मसूदा यासमीन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का उद्घाटन किया। मौके पर बोकारो थर्मल कार्मेल

पासवा की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित शिक्षक। ● फोटोन न्यूज

स्कूल की प्राचार्या सिस्टर एम मल्हार, होली क्रॉस स्कूल की प्राचार्या सिस्टर जेनी, डीपीएस स्कूल के प्राचार्य आरके झा,डीएभी कपिल देव के प्राचार्य एमके सिन्हा गेस्ट ऑफ ऑनर के रुप में सम्मिलित हुए। समारोह में राष्ट्रपति अवार्डी व पासवा प्रदेश महासचिव फलक फातिमा के नेतृत्व में पासवा वॉलिंटियर्स ने सभी व्यवस्थाओं का संचालन किया। सुबह से ही सम्मानित होने वाले शिक्षकों की भीड़ लगने लगी थी। रजिस्ट्रेशन के लिए लंबी कतारें लगी। मौके पर 5000 से अधिक शिक्षकों और शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया।

### पश्चिम बंगाल की खाड़ी व आसपास के क्षेत्रों में निम्न दबाव बनने की बढ़ी संभावना

# आज से फिर बिगड़ेगा मौसम, दो दिन होगी बारिश

**PHOTON NEWS RANCHI :** पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्रों पर एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो झारखंड में एकबार फिर मौसम बिगड़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने आज झारखंड के विभिन्न हिस्सों में गरज चमक के साथ झमाझम बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग की ओर से जारी वेदर बुलेटिन के मुताबिक, झारखंड में 26 सितंबर तक मौसम खराब रह सकता है। मौसम विभाग की मानें तो अगले 2 से 3 दिनों के दौरान पश्चिमी राजस्थान और गुजरात के कच्छ क्षेत्र के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी

के लिए परिस्थितियां अनुकूल बन रही हैं। हालांकि एक मानसूनी ट्रफ राजस्थान, एमपी, झारखंड से होकर बंगाल की खाड़ी तक पहुंच रही है। हालांकि उत्तरी अंडमान सागर पर एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन बनने की उम्मीद है। इसके प्रभाव से पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी पर भी एक कम दबाव का क्षेत्र बन सकता है। इन वेदर सिस्टम का कितना असर मैदानी इलाकों पर भी देखा जा सकता है। इस बीच मौसम विभाग ने 23 सितंबर से झारखंड में मौसम खराब रहने का पूवार्नुमान जारी किया है। 23 सितंबर को झारखंड के रांची, लोहरदगा, गुमला, खूंटी, लातेहार, गढ़वा, पलामू, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सराईकेला खरसांवा, सिमडेगा, दुमका, जामताड़ा, साहेबगंज, पाकुड़, गोड्डा, हजारीबाग, चतरा, कोडरमा, गिरीडीह, धनबाद, बोकारो, देवघर और रामगढ़ जिलों में मौसम खराब रहेगा। आईएमडी ने इन जिलों में गरज चमक और तेज हवाओं के साथ कहीं-कहीं बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो 25 और 26 सितंबर को सूबे में मौसम ज्यादा खराब रहेगा। दोनों ही दिन झारखंड के अलग अलग हिस्सों में गरज चमक के साथ जोरदार बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है।

## बच्चों में अनुशासन के भाव जगाना जरूरी : जितेंद्र

**RANCHI :** रविवार को जोहार लॉर्ड बुद्धा फाउंडेशन कोकर की से ओर आयोजित एवं भारत विकास परिषद के रांची मध्य एवं महानगर शाखा के सहयोग से फूलो झानो बाल संस्कार केंद्र का उद्घाटन अनगढा प्रखंड के डीमरा गांव में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआईपी) रांची के वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष जितेंद्र कुमार, विशिष्ट अतिथि झारखंड राय विश्वविद्यालय (जेआरयू) के पुस्तकालयाध्यक्ष रविन कुमार एवं गांव के प्रधान सावना बेदिया ने किया। मुख्य अतिथि जितेंद्र कुमार ने कहा कि संस्कार केंद्र के माध्यम से बच्चों के अंदर अनुशासन, माता-पिता के प्रति आदर, समाज के प्रति अपनी जिम्मेवारी एवं राष्ट्र के प्रति प्रेम के भाव को जगाना है।

# नाकामी छिपाने के लिए हेमंत ने बंद किया इंटरनेट : बाबूलाल

**PHOTON NEWS RANCHI :** प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि अपनी कमियों को छुपाने के लिए हेमंत सरकार ने इंटरनेट बंद किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट बंद होने से आम लोगों को परेशानी हुई। व्यापार बुरी तरह प्रभावित रहा। आजकल बाजार पूरी तरह ऑनलाइन चलता है। लोग मार्केटिंग ऑनलाइन ही करते हैं। पैसा लेकर लोग नहीं घूमते हैं। बाबूलाल मरांडी रविवार को प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि नेट उस स्थिति में बंद किया जाता है, जहां बड़े पैमाने पर दंगा और बवाल मचाने की आशंकाएं रहती है। आतंकवादी गतिविधि तेज होती है। उन्होंने कहा कि भाजपा की चल रही परिवर्तन यात्रा को डिस्टर्ब करने के लिए नेट बंद किया गया, ताकि

डिजिटल माध्यम से यात्रा का प्रचार प्रसार नहीं हो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यदि कह देते कि डिजिटल माध्यम से प्रचार-प्रसार नहीं करना है तो भाजपा नहीं करती। मरांडी ने कहा कि बच्चों के साथ इस तरह का खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। कई बच्चे दूर-दराज से आते हैं। आने-जाने के लिए ऑनलाइन टैक्सी बुक करते हैं। नेट बंद होने से यह भी प्रभावित हुआ।

**सुविचार**

हर चीज बदलती है, अपनी आखिरी सांस के साथ तुम एक ताजा शुरुआत कर सकते हो।

-बर्टोल्ट ब्रेख्त

Daily

# THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi



12

Samantha Ruth Prabhu Gives...

Ranchi ● Monday, 23 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 245 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 7,055 |
| चांदी | : | 98.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### ईरान की कोयला खदान में विस्फोट 32 लोगों की मौत

**TEHRAN :** तेहरान, 22 सितंबर (एपी) पूर्वी ईरान में एक कोयला खदान में मीथेन गैस लीक होने के कारण हुए विस्फोट में कम से कम 32 लोगों की मौत हो गयी और 17 अन्य लोग घायल हो गए। ईरान के सरकारी मीडिया ने अपनी एक खबर में रविवार को यह जानकारी दी। ऐसी आशंका है कि 18 अन्य श्रमिक खदान में फंसे हुए हैं। एक खबर में कहा गया है कि राजधानी तेहरान से करीब 540 किलोमीटर दूर दक्षिणपूर्व में तबास में स्थित एक कोयला खदान में शनिवार देर रात यह दुर्घटना हुई। इसमें कहा गया है कि प्राधिकारियों ने आपात कर्मियों को घटनास्थल भेजा है। हादसे के वक्त खदान में करीब 70 लोग काम कर रहे थे। सरकारी टेलीविजन ने बाद में बताया कि जमीन से नीचे 700 मीटर की गहराई पर सुरंगों के भीतर 18 लोगों के फंसे होने की आशंका है।

### हिजबुल्लाह का इजरायल पर पलटवार, दागे 100 से ज्यादा रॉकेट

**ISRAEL :** इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। लेबनान में हिजबुल्लाह बलों ने इजरायल पर 115 से ज्यादा रॉकेट दाग दिए हैं। जिनमें से कुछ उत्तरी शहर हाइफा के पास के इलाकों में पहुंच गए, जिससे चल रहे संघर्ष के बीच पहले से लक्षित स्थानों तक अपनी सीमा बढ़ गई। इजरायली मीडिया ने बताया कि हिजबुल्लाह ने उत्तरी में स्थित एक सैन्य हवाई अड्डे को निशाना बनाया। जेज्रेल घाटी, पूरे क्षेत्र में और कब्जे वाले गोलान हाइट्स और ऊपरी गलील के विभिन्न क्षेत्रों में सायरन बजना लगा। हाइफा के पास इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और कारों में आग लग गई।

### भारत में घुसने की कोशिश कर रहे 11 बांग्लादेशी गिरफ्तार

**AGARTALA :** वैध दस्तावेजों के बिना भारत में दाखिल होने के आरोप में 11 बांग्लादेशियों को त्रिपुरा से गिरफ्तार किया गया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने यह जानकारी दी। जीआरपी के एक अधिकारी ने बताया कि इन बांग्लादेशियों की घुसपैठ में मदद करने के आरोप में तीन भारतीय को भी पकड़ा गया है। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए जीआरपी की टीम ने शनिवार शाम अगरतला रेलवे स्टेशन पर इन बांग्लादेशियों को पकड़ा। उन्होंने बताया कि ये ट्रेन से चेन्नई और अहमदाबाद जाने की योजना बना रहे थे। प्रभारी अधिकारी तपन दास ने बताया कि इन बांग्लादेशियों को हिरासत में लेकर अगरतला जीआरपी थाना ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पकड़े गए बांग्लादेशियों ने बताया कि उन्होंने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा पार की है और चेन्नई व अहमदाबाद जाने की योजना बना रहे थे। दास ने बताया कि इन 11 बांग्लादेशियों और उनके तीन भारतीय मददगारों को पुलिस हिरासत में लेने के लिए रविवार को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया।

### अश्विन के छह विकेट से भारत ने बांग्लादेश को 280 रनों से हराया

**CHENNAI :** पहली पारी के शतकवीर रविचंद्रन अश्विन ने दूसरी पारी में गेंद से अपने चिर-परिचित अंदाज में छह विकेट झटक कर दो मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले के चौथे दिन रविवार को यहां बांग्लादेश पर भारत की 280 रन से बड़ी जीत में अहम भूमिका निभाई। बांग्लादेश के खिलाफ अपने शानदार रिकॉर्ड को जारी रखते हुए भारतीय टीम ने श्रृंखला में 1–0 की अजेय बढ़त बना ली है। बांग्लादेश की टीम दिन की शुरूआत चार विकेट पर 158 रन से आगे से करते हुए 234 रन पर ऑल आउट हो गयी। अश्विन ने 88 रन देकर छह विकेट लिये। उन्हें रविंद्र जडेजा का शानदार साथ मिला जिन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट चटाये। कप्तान नजमुल हसन शंटो ने बांग्लादेश के लिए 127 गेंद में आठ चौके और तीन छक्के की मदद से 82 रन की शानदार पारी खेली लेकिन उन्हें छोर से किसी बल्लेबाज का अच्छा साथ नहीं मिला। बीते दिन के नाबाद बल्लेबाज शंटो और अनुभवी शाकिब अल हसन (25) ने हालांकि बांग्लादेश के लिए दिन की अच्छी शुरूआत की थी। लेकिन बाद में भारत ने अच्छा पलटवार किया।

# हमारा संदेश स्पष्ट है, क्वाड कायम रहेगा : प्रधानमंत्री मोदी

## अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने गृहनगर विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी की

**WILMINGTON (BHASHA) :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) किसी के खिलाफ नहीं है बल्कि यह नियमों पर आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और संप्रभुता के सम्मान के पक्ष में है। प्रधानमंत्री मोदी ने शिखर सम्मेलन में कहा, 'स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी प्राथमिकता है।' अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने गृहनगर विलमिंगटन में वार्षिक क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमिओ किशिदा शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, 'हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता का सम्मान, क्षेत्रीय अखंडता और सभी मुद्दों का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान करने के समर्थन में हैं।' प्रधानमंत्री का परोक्ष रूप से इशारा चीन की ओर था। चीन का दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर में कई देशों से विवाद है। चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपनी संप्रभुता का दावा करता है वहीं वियतनाम, मलेशिया, फिलीपीन, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारा संदेश स्पष्ट है कि क्वाड कायम रहेगा, सहायता करेगा, साझेदारी करेगा और पूरक बनेगा।' उन्होंने कहा, 'हमने मिलकर



अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● पीटीआई

स्वास्थ्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण एवं उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन, क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक एवं समावेशी पहल की हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'क्वाड के नेता ऐसे समय में एकत्र हुए हैं जब पूरी दुनिया तनाव और संघर्षों से घिरी हुई है। ऐसे समय में क्वाड का अपने लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मिलकर काम करना पूरी मानव जाति के लिए अहम है।' मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'डेलावेयर के विलमिंगटन में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन के दौरान सदस्य नेताओं से मिलकर खुशी हुई। चचाएं सार्थक रहीं। बैठक में इस बात पर ध्यान दिया गया कि क्वाड वैश्विक भलाई के लिए कैसे काम करना जारी रख सकता है। हम स्वास्थ्य सेवा, प्रौद्योगिकी, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मिलकर काम करते रहेंगे।' एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने बैठक के बाद संवाददाताओं को बताया कि बैठक में शीर्ष नेताओं ने दक्षिण-पूर्व एशिया, प्रशांत द्वीप समूह और दक्षिण एशिया में साझेदारों के साथ सहयोग करने के नये तरीकों पर चर्चा की, साथ ही इस बारे में भी विचार-विमर्श किया कि क्वाड भविष्य में कैसे सहयोग करता रहेगा। अधिकारी ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि बैठक के दौरान उत्तर कोरिया से संबंधित मुद्दे पर भी चर्चा की गई। अधिकारी ने कहा, उत्तर कोरिया के संबंध में हमारे दृष्टिकोण में काफी समानता है। उन्होंने कहा, ये साफ तौर पर जाहिर है कि क्वाड के सभी नेता इस बात को लेकर चिंतित हैं कि रूस द्वारा दी जा रही सैन्य सहायता से उत्तर कोरिया किस हद तक प्रोत्साहित हो रहा है।' क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के नेताओं की बैठक के बाद संयुक्त रूप से जारी एक घोषणा पत्र में कहा गया कि चार देशों का यह समूह अच्छे मकसद से बनाया गया है और रणनीतिक रूप से पहले से कहीं अधिक एकजुट है।

इसमें कहा गया, प्रधानमंत्री ने फिर से स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए क्वाड सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता जताई। क्वाड क्षेत्र की विकास प्राथमिकताओं में मदद करना जारी रखेगा और और सतत विकास लक्ष्यों के कार्यान्वयन में तेजी लाएगा।

# केजरीवाल ने मोदी पर साधा निशाना आरएसएस प्रमुख से पूछे पांच सवाल

## सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद जंतर-मंतर पर की पहली सार्वजनिक सभा

**NEW DELHI (BHASHA) :** आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक नयी राजनीतिक रणनीति के तहत रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों के लिए आरएसएस से जवाब मांगा। केजरीवाल ने यह कहकर मोदी का कद कम दिखाने की कोशिश की कि आरएसएस ही मुखिया है और उसे अपने बच्चों को नियंत्रण में रखना चाहिए। मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा देने के बाद दिल्ली के जंतर-मंतर पर आयोजित अपनी पहली जनसभा में केजरीवाल ने आरएसएस प्रमुख से पूछा कि 'क्या बेटा अब इतना बड़ा हो गया है कि वह अपनी मां को आंख दिखा रहा है?'

इस रैली में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत से कुल पांच




सभा को संबोधित करते अरविंद केजरीवाल ● पीटीआई

सवाल किए। उन्होंने जो सवाल पूछे वे राजनीतिक रूप से भले ही सामान्य प्रतीत होते हों, लेकिन भागवत का जिक्र करना नयी और असामान्य बात है।

केजरीवाल ने पूछा कि क्या आरएसएस केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर राजनीतिक दलों को तोड़ने, विपक्षी दलों की सरकारें गिराने और 'भ्रष्ट' नेताओं को अपने पाले में करने की भाजपा की राजनीति से सहमत है?

जिनमें एक सवाल यह भी था कि क्या सेवानिवृत्ति की आयु से संबंधित भाजपा का नियम मोदी पर भी लागू होता है, जैसा कि लालकृष्ण आडवाणी पर लागू हुआ था? उन्होंने भागवत से पूछा कि क्या वह राजनीतिक नेताओं को 'भ्रष्ट' कहने और फिर उन्हें अपने पाले में शामिल करने की भाजपा की राजनीति से सहमत हैं? केजरीवाल ने एक अन्य सवाल में भागवत से पूछा कि जब भाजपा प्रमुख जे.पी. नड्डा ने कहा कि उनकी पार्टी को अपने वैचारिक मार्गदर्शक आरएसएस की जरूरत नहीं है, तो उन्हें कैसा लगा?

उन्होंने सवाल किया कि क्या आरएसएस प्रमुख भाजपा की मौजूदा राजनीति से संतुष्ट हैं?

केजरीवाल ने कहा, 'आरएसएस और भाजपा ने नियम बनाया था कि हर नेता 75 साल की उम्र होने पर सेवानिवृत्त हो जाएगा। इस नियम के तहत लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, कलराज मिश्र जैसे वरिष्ठ नेताओं को सेवानिवृत्त कर दिया गया। अब (गृह मंत्री) अमित शाह कहते हैं कि यह नियम मोदी जी पर लागू नहीं होता।'

उन्होंने भागवत से पूछा, 'क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि जो नियम आडवाणी जी पर लागू होता है, वह मोदी जी पर लागू नहीं होगा?'

केजरीवाल जब जंतर-मंतर पर सभा को संबोधित कर रहे थे, तब भाजपा महज एक किलोमीटर दूर कनॉट प्लेस में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर उनके और 'आप' के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रही थी।

भाजपा ने इसी मुद्दे पर राजघाट पर एक और विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। दूसरी ओर, जंतर-मंतर 'आप' के विशिष्ट नीले और पीले रंगों से सराबोर था। रैली स्थल के आसपास सैकड़ों समर्थकों ने बैनर लगा रखे थे, जिन पर केजरीवाल को 'हम में से एक' और निर्दोष बताया गया।

# जगन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, नायडू को फटकार लगाने की मांग



**AMRAVATI :** आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री को 'आदतन झूठ बोलने वाला' करार देते हुए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने तिरुपति लड्डू में मिलावट के मुद्दे पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से चंद्रबाबू नायडू को फटकार लगाने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री मोदी को लिखे एक पत्र में जगन ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू राजनीतिक उद्देश्यों के लिए करोड़ों लोगों की आस्था को ठेस पहुंचाने के वास्ते इतने निचले स्तर पर उतर गए हैं। श्री वेंकटेश्वर स्वामी के समृद्ध मंदिर के संरक्षक तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में घी स्वीकार करने की प्रक्रिया का विवरण देते हुए जगन ने आठ पृष्ठों के पत्र में आरोप लगाया कि नायडू के कृत्यों ने न केवल मुख्यमंत्री पद की प्रतिष्ठा को गिराया है, बल्कि सार्वजनिक जीवन में सभी लोगों को भी आहत किया है। साथ ही, टीटीडी और उसकी परंपराओं की पवित्रता को भी ठेस पहुंचाई है। जगन ने अपने पत्र में लिखा, 'महोदय, इस समय पूरा देश आपकी ओर देख रहा है। यह बहुत जरूरी है कि नायडू को झूठ फैलाने के उनके बेशर्म कृत्य के लिए कड़ी से कड़ी फटकार लगाई जाए और सच्चाई सामने लाई जाए। महोदय, इससे करोड़ों हिंदू श्रद्धालुओं के मन में नायडू द्वारा पैदा किये गए संदेह को दूर करने में मदद मिलेगी और टीटीडी की पवित्रता में उनका विश्वास बहाल होगा।'

घटनाक्रम की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि कथित रूप से मिलावटी घी को अस्वीकार कर दिया गया था और उसे टीटीडी के परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, नायडू ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से 18 सितंबर को एक राजनीतिक पार्टी की बैठक में इस मुद्दे को उठाया। तेदेपा सुप्रीमो ने दावा किया था कि पूर्ववर्ती वाईएसआर कांग्रेस पार्टी सरकार ने श्री वेंकटेश्वर मंदिर को भी नहीं बख्शा और लड्डू बनाने के लिए घटिया सामग्री और पशुओं की चर्बी का इस्तेमाल किया।

### न्यायालय में दायर की गई जनहित याचिका जांच का आग्रह

**NEW DELHI :** उच्चतम न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर कर तिरुपति के लड्डुओं में पशुओं की चर्बी के कथित इस्तेमाल की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराने का अनुरोध किया गया है। हिंदू सेना के अध्यक्ष एवं किसान सुरजीत सिंह यादव द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं को घी के बजाय पशुओं की चर्बी से तैयार 'लड्डू प्रसादम' प्रदान कर हिंदू धर्म का उपहास किया है और हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है। याचिका में कहा गया है कि श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 'लड्डू प्रसादम' तैयार करने में पशुओं की चर्बी के इस्तेमाल के आरोप ने हिंदू समुदाय की अंतरात्मा को झकझोर दिया है और इसके सदस्यों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची है।

### झामुमो गठबंधन के लिए बांग्लादेशी घुसपैठिए वोट बैंक हैं : केशव प्रसाद

**KODERMA (BHASHA) :** उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को आरोप लगाया कि बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड में झामुमो नीत गठबंधन के 'वोट बैंक' हैं और सत्तारूढ़ पार्टी उन्हें राज्य से बाहर नहीं निकालेगी।



भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' के तहत कोडरमा में एक रैली को संबोधित करते हुए मौर्य ने हेमंत सोरेन सरकार पर अपने सभी चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रहने और झारखंड को भ्रष्टाचार के लिए कुख्यात बनाने का आरोप लगाया। मौर्य ने कहा, 'बांग्लादेशी घुसपैठिए, जो पहले केवल पश्चिम बंगाल तक ही सीमित थे, बड़ी संख्या में झारखंड में फैल गए हैं, जो एक बड़ी चुनौती है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेतृत्व वाली सरकार उन्हें राज्य से बाहर नहीं निकाल सकती क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन घुसपैठियों को अपना वोट बैंक मानता है।'

### भारत ने पहला शतरंज ओलंपियाड खिताब जीता

**BUDAPEST :** ग्रैंडमास्टर डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी ने स्लोवेनिया के खिलाफ 11वें दौर में अपने अपने मैच जीत लिये जिससे भारत ने रविवार को इतिहास रचते हुए 45वें शतरंज ओलंपियाड में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। ग्रैंडमास्टर और विश्व चैम्पियनशिप चैलेंजर गुकेश ने व्लादिमीर फेडोसीव को हराया जबकि एरिगेसी ने जान सुबेलज को हराया। अगर भारतीय टीम बाकी दो गेम हार भी जाती है तो भी वह स्वर्ण पदक जीत लेगी क्योंकि उन्हें खिताब जीतने के लिए 11वें दौर में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत थी।

### हेमंत सरकार की मंईयां सम्मान यात्रा आज से, होंगी 25 हजार आमसभाएं

**PHOTON NEWS RANCHI:** हेमंत सरकार मंईयां सम्मान यात्रा शुरू करेगी। गढ़वा जिले के बंशीधर नगर से सम्मान यात्रा सोमवार से आरंभ होगी। इसके तहत पूरे राज्य में 25 हजार आमसभाएं, 7500 सभाएं व 1500 जगहों पर स्वागत समारोह होगा। पहले चरण में मंत्री बेबी देवी व विधायक कल्पना सोरेन के नेतृत्व में पलामू प्रमंडल के गढ़वा, मेदिनीनगर व लातेहार जिले से कार्यक्रम की शुरूआत होगी। इस अवसर पर स्थानीय मंत्री, विधायक व स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे। 23 सितंबर को दिन के 11.45 बजे बंशीधर नगर में आम सभा व रमना और मेराल में सभा होगी। गढ़वा में शाम 7.30 बजे रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया है। 24 सितंबर को गढ़वा, मझिआंव, हैदरनगर, हुसैनाबाद, छतरपुर, नावानगर व पाटन में सभा व स्वागत समारोह का आयोजन किया गया है। रात 7.45 बजे दलित छात्रावास में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया है।



**रिपोर्ट** वर्ष 2022 में अनुसूचित जाति के खिलाफ अत्याचार के 97 फीसद मामले केवल 13 राज्यों में

# उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा केस

**NEW DELHI (BHASHA) :** अनुसूचित जाति के खिलाफ 2022 में अत्याचार के सभी मामलों में से लगभग 97.7 प्रतिशत मामले 13 राज्यों में दर्ज किए गए, जिनमें उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में ऐसे सबसे अधिक अपराध दर्ज किए गए। एक नयी सरकारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी है। अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत नवीनतम सरकारी रिपोर्ट के अनुसार, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के खिलाफ अधिकांश अत्याचार भी इन 13 राज्यों में केंद्रित थे, जहां 2022 में सभी मामलों में से 98.91 प्रतिशत मामले सामने आए। अनुसूचित जाति (एससी) के खिलाफ कानून के तहत 2022 में दर्ज किए गए 51,656 मामलों में से, उत्तर प्रदेश में 12,287 के साथ कुल मामलों का 23.78 प्रतिशत हिस्सा था, इसके बाद राजस्थान में 8,651 (16.75 प्रतिशत) और मध्य प्रदेश में 7,732 (14.97 प्रतिशत) थे।

अनुसूचित जाति के खिलाफ अत्याचार के मामलों की ज्यादा संख्या वाले अन्य राज्यों में बिहार 6,799 (13.16 प्रतिशत), ओडिशा 3,576 (6.93 प्रतिशत), और महाराष्ट्र 2,706 (5.24 प्रतिशत) थे। इन छह राज्यों में कुल मामलों का लगभग 81 प्रतिशत हिस्सा है।

रिपोर्ट में कहा गया, वर्ष 2022 के

**छह राज्यों में कुल मामलों का लगभग 81% हिस्सा**

दौरान भारतीय दंड संहिता के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत पंजीकृत अनुसूचित जाति के सदस्यों के खिलाफ अत्याचार के अपराधों से संबंधित कुल मामलों (52,866) में से 97.7 प्रतिशत (51,656) मामले तेरह राज्यों में हैं। इसी तरह, एसटी के खिलाफ अत्याचार के अधिकांश मामले 13 राज्यों में केंद्रित थे।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एसटी के लिए कानून के तहत दर्ज 9,735 मामलों में से, मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 2,979 (30.61 प्रतिशत) मामले दर्ज किए गए। राजस्थान में 2,498 (25.66 प्रतिशत) के साथ दूसरे सबसे अधिक मामले थे, जबकि ओडिशा में 773 (7.94 प्रतिशत) दर्ज किए गए। ज्यादा संख्या में मामलों वाले अन्य राज्यों में 691 (7.10 प्रतिशत) के साथ महाराष्ट्र और 499 (5.13 प्रतिशत) के साथ आंध्र प्रदेश शामिल हैं।

रिपोर्ट में अधिनियम के तहत जांच और आरोप-पत्र की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी है।

अनुसूचित जाति से संबंधित मामलों में, 60.38 प्रतिशत मामलों में आरोप पत्र दायर किए गए, जबकि 14.78 प्रतिशत झूठे दावों या सबूतों की कमी जैसे कारणों से अंतिम रिपोर्ट के साथ समाप्त हुए। 2022 के अंत तक 17,166 मामलों में जांच लंबित थी। समीक्षाधीन अवधि के अंत में, अनुसूचित जनजाति के खिलाफ अत्याचार से जुड़े 2,702 मामले अब भी जांच के अधीन थे। इसके अलावा, रिपोर्ट में कानून के तहत मामलों को संभालने के लिए गठित विशेष अदालतों की अपर्याप्त संख्या की ओर भी इशारा किया गया है। 14 राज्यों के 498 जिलों में से केवल 194 में इन मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित की गई थीं।

**ममता का मोदी को पत्र**

### दावा-डीवीसी ने पानी छोड़ने से पहले नहीं ली सलाह

**KOLKATA :** मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में बाढ़ की स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक और पत्र लिखा, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) ने उनकी सरकार से परामर्श किए बिना अपने जलाशयों से पानी छोड़ दिया, जिससे राज्य के कई जिले जलमग्न हो गए। प्रधानमंत्री को लिखे ममता के पिछले पत्र का जवाब देते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा था कि राज्य के अधिकारियों को हर चरण में डीवीसी के जलाशयों से पानी छोड़े जाने के बारे में सूचित किया गया था, जो एक बड़ी आपदा को रोकने के लिए आवश्यक था। ममता ने कहा, हालांकि, माननीय मंत्री का दावा है कि डीवीसी के बांधों से पानी दामोदर घाटी जलाशय विनियमन समिति के साथ आम सहमति और सहयोग से छोड़ा गया था, जिसमें पश्चिम बंगाल सरकार के प्रतिनिधियों के साथ परामर्श भी शामिल था, मैं इससे सम्मानपूर्वक असहमति जताती हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्रीय जल आयोग सभी अहम फैसले एकतरफा रूप से लेते हैं।

## समाचार सार

### पूर्व डीडीसी सीताराम बारी की पत्नी का निधन

**JAMSHEDPUR :** पूर्वी सिंहभूम के पूर्व उपविकास आयुक्त (डीडीसी) एवं कीताडीह निवासी सीताराम बारी की पत्नी छाया बारी का रविवार को निधन हो गया। 63 वर्षीय छाया बारी टीएमएच में इलाजरत थीं। उनकी अंतिम यात्रा सोमवार (23 सितंबर) को कीताडीह स्थित कोल्हान हाउस से सुबह करीब 11 बजे निकलेगी। उनका अंतिम संस्कार बिष्टुपुर स्थित पार्वती घाट पर किया जाएगा।

### बारीडीह जाहेरथान के पास गिरा बिजली का तार

**JAMSHEDPUR :** बारीडीह स्थित जाहेरथान के पास बिजली का खंभा झुक गया है, जिससे खंभे का तार सड़क पर गिर गया है। स्थानीय लोगों को बड़ी दुर्घटना का डर सता रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह तार तीन दिन से गिरा हुआ है।

### महिला फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष बने कासिम

**JAMSHEDPUR :** साकची स्थित होटल केनेलाइट में रविवार को भारतीय महिला फुटबॉल महासंघ की वार्षिक आमसभा का आयोजन किया गया। इस दौरान पुरानी कमेटी को भंग कर नई कमेटी का चयन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से मो. कासिम अंसारी को अध्यक्ष चुना गया। इस बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधियों और महासंघ के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

### मायुमं की बॉलीवुड डांडिया 28 को, पोस्टर विमोचित

**JAMSHEDPUR :** मारवाड़ी युवा मंच की स्टील सिटी व सुरभि शाखा द्वारा 28 सितंबर को साकची स्थित रामगढ़िया सभा में बॉलीवुड डांडिया का आयोजन किया जाएगा। इसके लिए रविवार को साकची स्थित होटल प्राइड में पोस्टर का विमोचन किया गया। मंच के पदाधिकारियों ने बताया कि डांडिया नाइट शाम 7 बजे से होगा।

### डॉ. अरुण सज्जन किए गए सम्मानित

**JAMSHEDPUR :** सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा रविवार को हिंदी शिक्षक कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान संस्थान की ओर से श्रेष्ठ हिंदी शिक्षक सम्मान सेवानिवृत्त सहायक अध्यापक सह विजिटिंग हिंदी प्रोफेसर (एक्सआईटीई. गम्हरिया) डॉ. अरुण सज्जन को दिया गया। इसके अंतर्गत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिह्न, सम्मान पत्र तथा 11 हजार रुपये नकद राशि प्रदान की गई।

### वेतन घटने से बढ़ रही आर्थिक विषमता

**JAMSHEDPUR :** ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ट्रेड यूनियन (न्यू) की झारखंड इकाई का कन्वेशन रविवार को लक्ष्मीनगर स्थित वरिष्ठ नागरिक भवन में हुआ। इसमें वक्ताओं ने आर्थिक उदारीकरण के दौर मे पूरे समाज, खासकर मजदूर वर्ग पर बढ़ते हमले तथा उसके दुष्प्रभाव पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि इसका दुष्प्रभाव यह हो रहा है कि आर्थिक विषमता बढ़ती जा रही है। कन्वेंशन में सियाशरण शर्मा, सुजय राय, सतीश कुमार, श्याम किशोर, काशीनाथ प्रजापति, शैलेंद्र कुमार, साहेब राम भोक्ता, हीरा अरकने, डीएन सिह आदि ने विचार रखे, जबकि धन्यवाद ज्ञापन एफसीआई के मजदूर नेता मनोहर मंडल ने किया।

### मंत्री ने टोन्टो में किया ट्रांसफार्मर का लोकार्पण

**CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोन्टो प्रखंड के बामेबासा गांव में मंत्री दीपक बिरुवा ने रविवार को ट्रांसफार्मर का लोकार्पण किया। पिछले दो माह से ट्रांसफार्मर खराब था, जिससे गांव के लोग अंधेरे में रहने को विवश थे। गांव में पुनः बिजली आने से लोगों में काफी हर्ष का माहौल बना रहा। इस मौके पर जिप सदस्य राज नारायण तुबिद, मंगल तुबिद, जीतू बारी, सेबोन बोयपाई समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

### मझगांव का कोई गांव अंधेरे में नहीं रहेगा : विधायक

**MAJHGAON :** मझगांव विधानसभा का कोई गांव अब अंधेरे में नहीं रहेगा। यह बात मझगांव माहलीपोखर गांव के कोचासाई टोला में रविवार को नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन करते हुए विधायक निरल पूर्ति ने कही। विधायक ने कहा कि इस टोला में बिजली नहीं रहने की शिकायत ग्रामीणों ने की थी। इसके बाद विद्युत विभाग को तत्काल नया ट्रांसफार्मर लगाने का निर्देश दिया।

# संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में पहले दिन 64 व दूसरे दिन 48.8% परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

## जमशेदपुर समेत पूर्वी सिंहभूम जिले भर में कदाचारमुक्त व शांतिपूर्ण रही परीक्षा

**PHOTON NEWS JSR:** झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा का दूसरा व अंतिम दिन शहर समेत जिले भर में शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त रहा। जिले में बने सभी 82 केंद्रों पर तीन पालियों में परीक्षा में कुल 37 हजार 368 से 19 हजार 111 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं 18 हजार 257 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। उपायुक्त अनन्य मित्तल, एसएसपी किशोर कौशल समेत अन्य प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों ने पूरी परीक्षा प्रकिया की मॉनेटरिंग की। वहीं प्रतिनियुक्त प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों ने पेट्रोलिंग करते हुए परीक्षा पर नजर पैनी रखी। जिला स्तरीय कंट्रोल रूम से भी निगरानी रखी गई।

### जेएसएससी की परीक्षा खत्म होते ही लगा जाम

**JAMSHEDPUR :** जेएसएससी की परीक्षा खत्म होते ही रविवार को शहर में जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। हजारों परीक्षार्थी अपने घर जाने के लिए परीक्षा देकर निकले थे, जिससे सड़क जाम हो गए। सबसे ज्यादा भयावह स्थिति मानगो की रही, जहां वाहन बीच सड़क पर ही खड़े रहे। यहां शाम 5 बजे से लेकर 7 बजे तक वाहन रेंगते नजर आए। जिला पुलिस ने पूर्व से जाम से निपटने के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई थी, जिस कारण सड़कों पर जाम लग गया। मानगो पुल से लेकर चारों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई थी।

इससे पूर्व परीक्षा के पहले दिन भी जिले के सभी परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों की संख्या 23 हजार 368 थी, जिनमें से 8 हजार 405 परीक्षार्थी ही शामिल हुए थे। 14 हजार 963 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। इस तरह परीक्षा में 64 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे थे। वहीं दूसरे दिन रविवार को 48.8 प्रतिशत परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के पहले दिन शनिवार को घाटशिला स्थित परीक्षा केंद्र घाटशिला कॉलेज में बैग, मोबाइल आदि रखने के लिए यथोचित स्थान को लेकर परीक्षार्थियों ने हंगामा किया था। लेकिन रविवार को वहां भी परीक्षा शांतिपूर्ण रही। परीक्षा के शांतिपूर्वण व कदाचारमुक्त संचालन के लिए जिले में कुल 82 केन्द्राधीक्षक, 82 स्टैटिक मजिस्ट्रेट के अलावा उड़नदस्ता दल के साथ 4+1 पुलिस बल व सभी केन्द्रों में 4+1 पुलिस बल प्रतिनियुक्त किया गया था। इसके अलावा 1000 से ज्यादा वीक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गयी थी। परीक्षा के मद्देनजर केंद्र के 100 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू की गयी थी। जिला प्रशासन की ओर से होटल, रेस्टोरेंट, गेस्टहाउस, लॉज, हॉस्टल आदि में लगातार जांच अभियान चलाया गया। सभी परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा, बायोमीट्रिक अटेडेंस की व्यवस्था की गयी थी। वहीं पूरी तरह से जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने दिया गया।

### परीक्षा : एक नजर

| | |
|---|---|
| दो दिन में कुल परिक्षार्थी | : 60,736 |
| पहले दिन | : 23,368 |
| दूसरे दिन | : 37,368 |
| कुल उपस्थित | : 27,516 (45.3%) |
| कुल अनुपस्थिति | : 54.7% |
| पहले दिन | : 8,405(36.0%) |
| अनुपस्थिति | : 64% |
| दूसरे दिन | : 19,111(51.2%) |
| अनुपस्थिति | : 48.8% |

## क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट में हो सकता संशोधन, छोटे अस्पतालों को मिलेगी छूट

### बन्ना ने सोमवार को रांची में बुलाई बैठक, चिकित्सकों को तैयारी से आने को कहा

**PHOTON NEWS JSR:** इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, झारखंड शाखा की ओर से रविवार को साकची स्थित आईएमए भवन में बैठक हुई, जिसमें राज्यभर से आईएमए व झासा के पदाधिकारी पहुंचे थे। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता भी उपस्थित थे। उन्होंने करीब एक घंटे तक चिकित्सकों की समस्या सुनी और उसे हरसंभव दूर करने का भरोसा दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट को लेकर उन्होंने पूर्व में एक कमेटी बनाई थी। उस कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि यह केंद्र सरकार का कानून है। इसमें कुछ संशोधन करने के लिए केंद्र से दिशा-निर्देश लेना होगा। इस पर चिकित्सकों ने कहा कि देश के क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट में कुछ जरूरी संशोधन हो सकता है। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने मंगलवार को रांची में बैठक बुलाई है, जिसमें इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आइएमए) और झारखंड हेल्थ सर्विसेज एसोसिएशन (झासा) के पदाधिकारी भी शामिल होंगे। इस दौरान चिकित्सकों के कई प्रमुख मांगों पर चर्चा होगी और उसे अमलीजामा पहुंचाने का कार्य किया जाएगा। दरअसल, 15 से अधिक राज्यों ने 50 बेड से कम नर्सिंग होमों को कई तरह की छूट दी है। इसपर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आपलोग पूरे तथ्य और तैयारी के साथ मंगलवार को रांची आइए। उस बैठक में स्वास्थ्य सचिव से लेकर सभी वरीय अधिकारी होंगे। इसपर गंभीरता से चर्चा होगी और जो संभव होगा उसका निदान करने का प्रयास अगले 20 से 25 दिनों के अंदर किया जाएगा।

मंत्री का स्वागत करते चिकित्सक • फोटोन न्यूज

### दुष्कर्म मामलों के लिए बने हर जगह फास्ट ट्रैक कोर्ट

**JAMSHEDPUR :** सोनारी स्थित आदर्श सेवा संस्थान ने दुष्कर्म मामलों में त्वरित न्याय के लिए हर जगह फास्ट ट्रैक कोर्ट की जरुरत बताई है। संस्था की संचालक प्रभा जायसवाल ने बताया कि केस बैकलॉग को कम करने में फास्ट ट्रैक की भूमिका अहम होगी। यह कोर्ट दुष्कर्म और पोक्सो मामलों में अन्य अदालतों की तुलना में बहुत अधिक कारगर होगा। 2022 में सभी अदालतों में ऐसे मामलों के निपटान की दर 10% थी, जबकि पूरे भारत में एफटीएससी में यह 83% थी। आदर्श सेवा संस्थान ने राज्य सरकार से दुष्कर्म के मामलों में न्याय सुनिश्चित करने के लिए और अधिक एफटीएससी स्थापित करने की अपील की है।

## बहरागोड़ा से आज शुरू होगी भाजपा की परिवर्तन यात्रा

**GHATSILA :** भाजपा की परिवर्तन यात्रा सोमवार को बहरागोड़ा से शुरू होगी, जिसमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल होंगे। इस दौरान शाखा मैदान में 11 बजे जनसभा होगी, जिसमें पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेशानंद गोस्वामी, सांसद बिद्युत बरण महतो, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, जिला अध्यक्ष चंडी चरण साव, विधानसभा प्रभारी अभय सिंह सहित कई नेता मौजूद रहेंगे। जिला मीडिया प्रभारी रविशंकर सिंह ने बताया कि बहरागोड़ा से परिवर्तन यात्रा रथ माटीहाना, मानुषमुड़िया होते हुए चाकुलिया पहुंचेगा। इसके बाद चाकुलिया से नूतनगढ़, धालभूमगढ़, काशीदा होते हुए रथ घाटशिला के राजस्टेट मैदान में शाम 4 बजे पहुंचेगा। यहां भी जनसभा होगी। घाटशिला की सभा के बाद परिवर्तन यात्रा मुसाबनी रवाना होगी, जहां सभा के बाद भाजपा नेता घाटशिला में रात्रि विश्राम करेंगे। 24 सितंबर को परिवर्तन यात्रा केंदडीह, पुरनापानी होते हुए जादूगोड़ा और पोटका रवाना होगी।

### नितिन गडकरी 1 को आएंगे चाईबासा

**CHAIBASA :** चाईबासा : भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा 1 अक्टूबर को चाईबासा स्थित गांधी मैदान में होगी। इसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी व अन्नपूर्णा देवी भी शामिल होंगी। इसे लेकर रविवार को नगर कमेटी के अध्यक्ष पवन शर्मा की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद, नगर प्रभारी लालमुनी पूर्ति, टोन्टो प्रभारी गीता बलमुचु व पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश पुरी सहित कई वरिष्ठ भाजपाई उपस्थित रहे।

## बारीडीह से एग्रिको तक निकाली गई यूपी-बिहार स्वाभिमान यात्रा

रैली में नारेबाजी करते लोग • फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** शहर में पहली बार यूपी-बिहार स्वाभिमान यात्रा रविवार को निकली, जो बारीडीह दुर्गा पूजा मैदान से एग्रिको ट्रांसपोट मैदान तक गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में यूट्यूबर मनीष कश्यप को बुलाया गया था, पर इस यात्रा के विरोध को देखते हुए मनीष को रांची में ही रोक दिया गया। यूपी-बिहार एकता मंच के संयोजक सागर तिवारी ने कहा कि राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन ने इस रैली को बाधित करने के लिए प्रयास किए। इसके साथ ही, कई संगठनों ने दुष्प्रचार किया कि रैली स्थगित कर दी गई है। झारखंड में इंटरनेट बंद होने के कारण लोगों को सही सूचना नहीं मिल पाई, जिससे कार्यक्रम में भागीदारी प्रभावित हुई। इस रैली का उद्देश्य पिछले कुछ समय से यूपी और बिहार वासियों को बांग्लादेशी घुसपैठियों के साथ जोड़कर किए जा रहे शोषण के खिलाफ लोगों में जागरूकता लाना था।

### नई एसडीओ ने लिया प्रभार, कहा- लॉ एंड ऑर्डर रहेगी प्राथमिकता

**JAMSHEDPUR :** शताब्दी मजूमदार ने रविवार को एसडीओ, धालभूम का प्रभार ग्रहण कर लिया। उन्हें निवर्तमान एसडीओ पारुल सिंह ने प्रभार सौंपा। पारुल सिंह ने 7 मार्च को पद संभाला था। इस मौके पर मजूमदार ने कहा कि बताया कि वे जमशेदपुर में पीडीआई के पद पर कार्य कर चुकी हैं। उनकी प्राथमिकता शहर में लॉ एंड ऑर्डर की समस्या का समाधान करना होगा। इस मौके पर पूर्व एसडीओ पारुल सिंह ने अपने 6 महीने के कार्यकाल पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें अपने कार्यकाल में किसी प्रकार का पछतावा नहीं है, क्योंकि उन्होंने पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। उन्होंने शहरवासियों का आभार व्यक्त किया, जिनके सहयोग से वे अपनी कार्ययोजना को सफलतापूर्वक लागू कर सकीं।

## ओजोन परत को बचाने के लिए जन जागरूकता जरूरी : डॉ. अमर सिंह

### जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में मना विश्व ओजोन दिवस

**PHOTON NEWS JSR:** विश्व ओजोन दिवस (16 सितंबर) पर जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज में रविवार को ओजोन परत के संरक्षण पर चर्चा हुई। प्राचार्य डॉ. अमर सिंह ने कैंपस में पांच फलदार वृक्षों के पौधे रोप तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। डॉ. सिंह ने कहा कि ओजोन परत के महत्व और उसके संरक्षण की आवश्यकता के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए यह दिवस मनाया जाता है। ओजोन परत सूर्य की हानिकारक अल्ट्रावायलेट किरणों को पृथ्वी तक पहुंचने से रोकती है, जो मानव जीवन और पर्यावरण के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। यह दिन वैश्विक जागरूकता फैलाने और ओजोन परत की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा देता है। मुख्य वक्ता अमित सिन्हा ने कहा कि हमें ओजोन-क्षयकारी पदार्थों का उपयोग कम करना चाहिए, ताकि ओजोन परत को बचाया जा सके। वनस्पति विज्ञान विभाग के एचओडी डॉ. ब्रजेश कुमार कहा कि विश्व ओजोन दिवस की शुरूआत वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र ने की थी। इसका उद्देश्य 1987 के मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के महत्व को रेखांकित करना है। इस प्रोटोकॉल के तहत ओजोन क्षयकारी पदार्थों के उपयोग को नियंत्रित किया गया है। यह दिवस मनाने से ओजोन परत की रक्षा के लिए वैश्विक प्रयासों को समर्थन मिलता है। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के लिए ओजोन परत पर आधारित पोस्टर प्रतियोगिता हुई, जिसमें प्रथम प्रज्ञा कुमारी व मुकेश कुमार, द्वितीय रूप रानी व पूनम कुमारी तथा तृतीय खुशबू कुमारी और पूनम कुमारी रहीं।

पौधारोपण करते प्राचार्य • फोटोन न्यूज

### राजनेताओं को दी चुनाव में परिणाम भुगतने की चेतावनी

## ब्राह्मणी नदी के बीच ग्रामीण कर रहे पुल निर्माण की मांग

**CHAKRADHARPUR:** चक्रधरपुर व बंदगांव प्रखंड के सुरबुडा, केरा व भालुपानी पंचायत के 15 हजार ग्रामीण पिछले 20 वर्षों से जानुमबेड़ा-केरा में ब्राह्मणी नदी पर पुल बनाने की मांग कर रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीण कई बार जिला प्रशासन व जनप्रतिनिधियों को पत्र भी सौंपा, लेकिन ग्रामीणों को केवल आश्वासन मिला। इससे ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने जानुमबेडा गांव में रविवार को केरा गांव के मुंडा माटु हेंब्रम की अध्यक्षता में ग्रामसभा का आयोजन किया, जिसमें सुरबुडा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई भी मौजूद थे। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि पुल बनाने की मांग पिछले 20 वर्ष से की जा रही है, लेकिन जिला प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि चुप्पी साधे हुए हैं। पुल नहीं होने से ग्रामीणों को प्रखंड कार्यालय पहुंचने में 22 से 25 किलोमीटर दूरी तय करनी पड़ रही है। बारिश के मौसम में ग्रामीण प्रखंड मुख्यालय से कट जाते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि पुल नहीं बना तो आने वाले सभी चुनाव में जनप्रतिनिधियों को परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहना होगा। इस मौके पर मुंडा सुखलाल बोदरा, जोन गागराई, जयपाल गागराई, सीताराम गागराई, सुरेश केराई, शिवचरण बोदरा, मांगता बोदरा, मानसिंह केराई, मंगल सिंह बोदरा, मानसिंह हेंब्रम, रोमिया गागराई, अजीत हेंब्रम, कुंवर सिंह केराई, गारदी बोदरा, कान्हुराम केराई, दशरथ बोदरा, नारायण केराई, बेराग केराई, बागुन केराई, जंगल सिंह केराई, लेपा केराई, मरियम केराई, पालो केराई, मेरी गोरेती केराई, रानी केराई, बुधनी हेंब्रम, सुखमती हेंब्रम, सीमा हेंब्रम, पूनम बोदरा, मानती गागराई समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

नदी में प्रदर्शन करते बच्चे व महिला-पुरुष • फोटोन न्यूज

### पुल बनने से 15 हजार ग्रामीणों को मिलेगा लाभ

जानुमबेडा-केरा के बीच ब्राह्मणी नदी में पुल बनने से तीन पंचायत सुरबुडा, केरा व भालुपानी पंचायत के जानुमबेडा, पटणा, रांसीपता, पेटेईकीर, तिलोपोदा, बुरुडीहा, बाइसाई, रोटोपोली, डोमरा, ढ़ीपासाई, मसुरीबाई, लालबाजार, सारूगाडा, कुचारूंग, चिंगिदा, तोतकोरा के करीब 15 हजार ग्रामीणों को लाभ मिलेगा. ग्रामीण आसानी से प्रखंड मुख्यालय पहुंच सकेंगे. सुरबुडा पंचायत के मुखिया जंगल सिंह गागराई ने कहा कि पिछले 20 सालों से ब्राह्मणी नदी में पुल निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीण आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों का ध्यान नहीं है। इसके कारण ग्रामीणों में आक्रोश है।

### शारदा सिन्हा के पति डॉ. ब्रजकिशोर का निधन

**JAMSHEDPUR :** लोकगायिका शारदा सिन्हा के पति डॉ. ब्रज किशोर सिन्हा का रविवार को पटना में निधन हो गया। 80 वर्षीय डॉ. सिन्हा ब्रेन हेमरेज होने के बाद वेंटिलेटर पर थे। डॉ. ब्रजकिशोर सिन्हा ने शिक्षा विभाग में रीजनल डिप्टी डायरेक्टर पद से सेवानिवृत्त होने के बाद जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज (अब यूनिवर्सिटी) में भी सेवा दी थी। कॉलेज में वे शिक्षा संकाय के प्राचार्य थे। जानकारी के अनुसार दो दिन पहले वह घर में गिर गए थे, जिससे उनके सिर में चोट आ गई थी। चोट के कारण उन्हें ब्रेन हेंब्रेज हो गया और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। दो दिनों तक इलाज के बाद उन्होंने रविवार को अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार पटना के सोमवार को गुलबी घाट पर किया जाएगा। डॉ. सिन्हा के निधन पर जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज की पूर्व प्राचार्य व कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. शुक्ला मोहंती ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

## वंदेभारत समेत आधा दर्जन ट्रेनें 24 से 29 तक रद्द

**JAMSHEDPUR :** चक्रधरपुर रेल मंडल में हो रहे विकास कार्यों और आदित्यपुर में चल रहे नॉन इंटरलिंकिंग कार्य के कारण टाटानगर से चलने वाली 6 ट्रेनों को 24 से 29 सितंबर तक रद्द किया गया है। इसमे टाटा-ब्रह्मपुर-टाटा वंदेभारत एक्सप्रेस, राउरकेला-हावड़ा-राउरकेला वंदेभारत एक्सप्रेस, टाटा-जयनगर-टाटा एक्सप्रेस को आागामी सप्ताह अलग अलग दिनों रद्द किया गया है। वहीं इसके साथ ही उत्कल एक्सप्रेस और दुर्ग-आरा दक्षिण बिहार एक्सप्रेस को डायवर्ट रूट से चलाने का आदेश जारी हुआ है। 24-27 सितंबर तक दक्षिण बिहार एक्सप्रेस और उत्कल एक्सप्रेस टाटानगर नहीं आएगी। अचानक इन ट्रेनों के रद्द होने से हजारों यात्रियों को परेशानी होगी। हालांकि रेलवे इन यात्रियों को पूरा रिफंड वापस करेगी।

### इन ट्रेनों को किया गया रद्द

- 20871/20872 हावड़ा-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस- 25, 26,27 और 28 सितंबर।
- 20891/20892 टाटानगर-ब्रह्मपुर वंदे भारत एक्सप्रेस - 25,26,27 और 28 सितंबर।
- 18119/18120 टाटानगर-जयनगर एक्सप्रेस - 27 सितंबर।

### ट्रेनों का डायवर्सन

- 18477 पुरी-योग नगरी ऋषिकेश एक्सप्रेस, 25-27 सितंबर तक झारसुगुड़ा-इब के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी।
- 18478 योग नगरी ऋषिकेश-पुरी एक्सप्रेस, 25-27 सितंबर तक इब-झारसुगुड़ा के रास्ते डायवर्ट होकर चलेगी।
- 13287 दुर्ग-आरा एक्सप्रेस, 25-27 सितंबर तक टाटानगर नहीं आकर सीनी-कांड्रा के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी।
- 13288 आरा-दुर्ग एक्सप्रेस, 24-26 सितंबर तक टाटानगर नहीं आकर कांड्रा-सीनी के रास्ते डायवर्टेड रूट पर चलेगी।

BRIEF NEWS

## धनबाद रेल मंडल में बेटिकट 963 यात्रियों से 3.91 लाख की वसूली

**RAMGARH :** रेलवे के विभिन्न स्टेशनों पर मजिस्ट्रेट के द्वारा टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। धनबाद मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर चेकिंग के दौरान 963 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया। उन सभी यात्रियों को कुल 3.91 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया गया है। वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमरेश कुमार ने बताया कि टिकट चेकिंग अभियान को धनबाद- कोडरमा खंड में मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में चलाया गया।

## राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में रामगढ़ के खिलाड़ी भी होंगे शामिल

**RAMGARH :** झारखंड राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन चाईबासा में 27 से 29 सितंबर तक होने वाला है। इस प्रतियोगिता में रामगढ़ के खिलाड़ी भी हिस्सा लेंगे। इस विषय को लेकर रविवार को मिलोनी क्लब के कराटे हॉल में कबड्डी संघ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता परमदीप सिंह कालरा की ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि दिनांक 24 सितंबर को गुरुनानक स्कूल में एक दिवसीय ट्रायल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा।

## पोता की हत्या के आरोप में दादा गिरफ्तार

**PALAMU :** जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के होल्या गांव निवासी अंकुश कुमार सिंह के 8 वर्षीय पुत्र शिवम कुमार का शव 19 सितंबर 2024 को गांव के आहर से बरामद किया गया था। शिवम की माता खुशबू देवी के फर्द बयान के आधार पर हुसैनाबाद थाना में शिवम कुमार के दादा कपिलदेव सिंह के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले में दादा पर ही अपने पोते की हत्या करने का आरोप लगा था। मामले में रविवार को पुलिस ने आरोपी दादा को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी की पुष्टि हुसैनाबाद थाना प्रभारी संजय कुमार यादव ने की है।

## अपराधियों ने आउटसोर्सिंग कंपनी का बंद कराया काम

**RAMGARH :** रामगढ़-हजारीबाग की सीमा पर उरीमारी सीसीएल बरका-सयाल प्रक्षेत्र के उरीमारी परियोजना में अपराधियों ने एक फिर दस्तक दी है। परियोजना में कार्यरत आशीर्वाद रियल स्टेट एंड ट्रांसपोर्टिंग कम्पनी के कार्यस्थल पर नकाबपोश अपरिधियों ने रविवार को कम्पनी के कर्मचारियों को काम बंद करने को कहा गया। साथ ही बॉस से बात करने से पहले काम नहीं करने की बात कही। इसके बाद अपराधी गंधोनिया होते हुए भुरकुंडा की ओर भाग निकले। बताया जाता है कि अपराधी एक मोटरसाकल पर दो की संख्या में आए थे। चालक हेलमेट पहने हुए था, जबकि दूसरा अपराधी चेहरे पर नकाब लगाया था। घटना के बाद कम्पनी का काम पूरी तरह बंद है और कर्मियों व अधिकारियों में दहशत है। इस मामले में दोनों जिलों की पुलिस सक्रिय है और छापेमारी अभियान चला रही है।

### पलामू पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, पांच अपराधी अरेस्ट

# लूटपाट करने वाले इंटर स्टेट गिरोह का पर्दाफाश

**PHOTON NEWS PALAMU :** रविवार को जिले में पुलिस ने जेवर दुकान से लूटपाट करने वाले इंटर स्टेट गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सदस्यों के पास से पुलिस ने एक पिस्टल और दो देसी कट्टा बरामद किया है। गिरफ्तार सदस्य झारखंड और बिहार के कई इलाकों में बड़ी लूट की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। गिरोह के कुछ सदस्य पहली बार पकड़े गए हैं।

अपराधियों के बारे में मीडिया को जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

बता दें कि पलामू के छतरपुर थाना क्षेत्र में पांच सितंबर को जेवर कारोबारी अशोक कुमार सोनी के साथ लूटपाट की थी। घटना के बाद पलामू पुलिस लगातार गिरोह के खिलाफ अभियान चला रही थी। इसी बीच पलामू पुलिस को सूचना मिली थी कि छतरपुर थाना क्षेत्र के मदनपुर के इलाके में 8 से 10 की संख्या में अपराधी किसी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर छतरपुर एसडीपीओ नौशाद आलम, इंस्पेक्टर द्वारिका राम और थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद के नेतृत्व में पुलिस की टीम ने छापेमारी की। इस छापेमारी में मौके से 5 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। अपराधियों के पास से पुलिस ने चार जिंदा गोली और दो छुरा के अलावा लूट का 54 ग्राम सोना बरामद किया गया है।

**बिहार का रहने वाला है मास्टरमाइंड :** पलामू एसपी रीष्मा रामेशन ने बताया कि अशोक सोनी लूटकांड में शामिल अपराधियों ने घटना के बाद आपस में 10-10 ग्राम सोना का बंटवारा किया था। गिरफ्तार आरोपी राकेश कुमार पलामू के हरिहरगंज, पंकज पासवान, कुटुंबा का, विशाल सोनी, विकास सोनी और राहुल कुमार बिहार के औरंगाबाद के रहने वाले हैं। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने कई खुलासे किए हैं और गिरोह के सदस्यों के नाम बताए हैं। गिरोह के मास्टरमाइंड के खिलाफ पुलिस अभियान चला रही है।

## लाठी-डंडे से पीट-पीटकर युवक की ले ली जान

**PAKUR :** जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जामतल्ला गांव में एक व्यक्ति की लाठी-डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद सभी आरोपी फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की छानबीन में जुट गई। परिजनों के मुताबिक 37 वर्षीय मिठू शेख जामतल्ला गांव किसी व्यक्ति के घर पंखा ठीक करने गया था। इस दौरान गांव के ही लाखफोड़ शेख, कौशर शेख, लुत्फल शेख, असरा शेख, मानताजुल शेख, हुमायूं शेख सहित अन्य लोगों ने मिठू को घेर लिया और लाठी-डंडा व धारदार हथियार से हमला करने लगे, जिसमें मिठू बुरी तरह से घायल हो गया। ग्रामीणों के द्वारा इसकी सूचना मुफस्सिल थाने की पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस पदाधिकारी दलबल के साथ पहुंचे। जिसके बाद घायल मिठू को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया जा रहा था कि रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# वाहन की चपेट में आकर एक परिवार की दो बहुओं की मौत

घटना के बाद सड़क जाम करते लोग। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS DUMKA :** रविवार को हंसडीहा थाना क्षेत्र के महेशखंदा गांव के समीप एक अनियंत्रित हाइवा की चपेट में आने से दो युवतियों की मौत हो गई, जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। दोनों मृतका शादीशुदा थीं और उनका आपस में गोतनी का रिश्ता था। जबकि इस घटना में एक अन्य युवती भी गंभीर रूप से घायल है।

इस घटना से आक्रोशित लोगों ने एनएच 114 ए दुमका-भागलपुर मार्ग को जाम कर दिया। घटना कुरमाहाट स्टेशन के ठीक सामने की है। दरअसल दुमका जिले के महेशखंदा हंसडीहा थाना क्षेत्र के महेशखंदा गांव की एक ही घर की दो बहू प्रियंका कुमारी (21 वर्ष) और सोनी कुमारी (22 वर्ष) की

● दोनों महिलाएं पुलिस बहाली के लिए पिछले कई दिनों से कर रही थीं दौड़ का अभ्यास

इच्छा पुलिस में बहाल होने की थी। इसी की तैयारी लिए पिछले कई दिनों से दोनों दौड़ का अभ्यास कर रही थी। आज दोनों महिला घर के बगल की एक युवती पूजा कुमारी (18 वर्ष ) के साथ जब दुमका - भागलपुर मार्ग पर दौड़ रही थी, उसी वक्त एक अनियंत्रित हाइवा ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना में प्रियंका कुमारी और सोनी कुमारी की मौके पर मौत हो गई। जबकि साथ में गई घर की एक लड़की गंभीर रूप से घायल हुई, जिसे इलाज के लिए फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया है।

# सड़क हादसे में दो बाइक सवार युवकों की गई जान

घटना के बाद सड़क जाम करते लोग। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** रविवार को जिले में सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी, जबकि एक महिला को गंभीर चोट आयी है। तेज रफ्तार बोलेरो ने पहले बाइक को अपनी चपेट में लिया, इससे एक स्थानीय युवक की मौत हो गयी।

हादसे से घबराकर बोलेरो ड्राइवर ने गाड़ी की स्पीड और बढ़ा दी, जिससे गाड़ी अनियंत्रित हो गयी और एक दूसरी बाइक को टक्कर मार दी। इससे एक और युवक की मौत हो गयी, जबकि एक महिला चोटिल हो गयी। तेज गति से आ रही बोलेरो ने बाइक सवार को कुचल दिया। इससे दो लोगों की मौत हो गयी। बोलेरो बरजो की ओर से घोरथंभा की ओर जा रही थी। इसी दौरान अम्बाटांड़ में तेज गति में आती बोलेरो ने स्थानीय निवासी बाइक सवार चालीस वर्षीय मुशर्रफ अंसारी (पिता सादिक मियां) को अपनी चपेट में ले लिया। इससे उसकी मौत हो गयी। मुशर्रफ घर के रोजमर्रा के सामान की खरीदारी को लेकर घोरथंभा बाजार जा रहा था। इसी दौरान वह सड़क हादसे का शिकार हो गया। सड़क दुर्घटना के बाद बोलरो के ड्राइवर ने गाड़ी की रफ्तार और तेज कर दी। इस कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गयी।

## तोरपा विस क्षेत्र के हर गांव तक विकास योजनाओं को पहुंचाया : कोचे मुंडा

**KHUNTI :** तोरपा के भाजपा विधायक कोचे मुंडा ने कहा कि उन्होंने अपने पांच वर्षों के कार्यकाल में अपने विधानसभा क्षेत्र के सभी गांवों तक विकास योजनाओं को पहुंचाने का प्रयास किया है और पूरी राशि का सदुपयोग किया है। विधायक ने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र के चारों प्रखंडों तोरपा, कर्रा, रनिया और बानो प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों में भी विकास योजनाओं को पहुंचाया है। विधायक कोचे मुंडा रविवार को ममरला गांव स्थित अपने आवास में प्रेस कॉनफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में कई पुल-पुलियों की अनुशंसा की और उनका निर्माण पूरा कराया। उन्होंने कहा कि लगभग सभी गांवों में पीसीसी सड़कों, चापानलों का अधिष्ठापन, सोलर वाटर सप्लाई सहित कई क्षेत्रों में काम किया। विधायक ने कहा कि उन्होंने क्षेत्र की जनता की मांग के अनुरूप विभिन्न योजनाओं की अनुशंसा की।

# झारखंड हाईकोर्ट ने कहा, अदालत के आदेश के साथ सरकार ने की धोखाधड़ी

● बिना आदेश परीक्षा को लेकर आगे से बंद नहीं हो इंटरनेट सेवा

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन व जस्टिस अनुभा रावत चौधरी की खंडपीठ में झारखंड स्नातक स्तरीय संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा को लेकर इंटरनेट सेवा बंद करने के विरुद्ध दाखिल याचिका पर अवकाश के बावजूद रविवार को लगातार दूसरे दिन विशेष कोर्ट में सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि कोर्ट के आदेश के साथ सरकार ने धोखाधड़ी (फ्रॉड) की है। अदालत ने पूछा कि जब शनिवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से कहा गया था कि मोबाइल इंटरनेट सेवा आंशिक रूप से बंद किया गया है तो दूसरे दिन रविवार को ब्रॉड बैंड, लीज लाइन सहित अन्य इंटरनेट सेवा बंद करने का आदेश कैसे दे दिया गया। क्या यह कोर्ट के साथ फ्रॉड नहीं है। ऐसा करना प्रथमदृष्टया आपराधिक अवमानना का मामला बनता है। इस पर कोर्ट में मौजूद गृह सचिव वंदना डाडेल ने कोर्ट को बताया कि खुफिया सूचना के बाद रविवार को

### हजारीबाग में परीक्षार्थियों ने किया हंगामा

**HAZARIBAGH :** सीजीएल परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को सदर प्रखंड के सिंघानी में बनाए गए जैक एंड जिल स्कूल परीक्षा केंद्र में दूसरी पाली खत्म होने के बाद बाहर निकले परीक्षार्थियों ने हंगामा किया। हंगामा का कारण कमरा नंबर 13, 16 और 19 में प्रश्नपत्र पैकेट का खुला होना था। आरोप था कि खोरठा विषय के परीक्षा के दौरान जो पेपर उन्हें मिला उसका सील टूटा हुआ था। परीक्षार्थियों का यह भी आरोप था कि किसी भी परीक्षा में पेपर क्रमानुसार नहीं मिला। छात्रों का यह भी आरोप था कि इस बात को लेकर आपत्ति दर्ज की तो केंद्र के परीक्षक ने कहा कि अगर विरोध करोगे तो परीक्षा देने से रोक दिया जाएगा। इसके बाद छात्रों ने परीक्षा दी और बाहर आने के बाद आपत्ति दर्ज कराई। हंगामे की सूचना पर जिला नियंत्रण कक्ष सक्रिय हो गया और नगर आयुक्त ने तत्काल परीक्षा केंद्र पहुंच कर मामले को शांत कराया। पूरे प्रकरण में उपायुक्त नैन्सी सहाय व एसपी अरविंद कुमार सिंह ने शाम को प्रेसवार्ता कर बताया कि केंद्राधीक्षक से रिपोर्ट मांगी गई है। परीक्षा का बहिष्कार नहीं हुआ है और परीक्षार्थियों ने शांतिपूर्वक परीक्षा दी है। दूसरे दिन प्रतियोगिता परीक्षा कुल तीन पालियों में संपन्न हुई। 16386 अभ्यर्थी परीक्षा में उपस्थित रहे।

संबंधित सेवाएं बंद की गईं। इसके बाद अदालत ने राज्य सरकार और इंटरनेट प्रदाता कंपनियों को स्पष्ट किया कि कोर्ट में मामला लंबित रहने तक और भविष्य में जब तक अदालत आदेश नहीं दे, परीक्षा को लेकर राज्य में इंटरनेट सेवा बंद नहीं की जाएंगी। मामले में अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी। इधर, प्रार्थी अधिवक्ता राजेंद्र कृष्ण की ओर से बताया गया कि उनके मोबाइल पर जिओ कंपनी की ओर से सूचना दी गई कि सरकार के आदेश पर इंटरनेट सेवा सुबह चार बजे से शाम साढ़े तीन बजे तक बंद रहेगी, जबकि राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि उनकी ओर से सुबह आठ बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक ही मोबाइल इंटरनेट, ब्रॉड बैंड और लीज लाइन सहित अन्य सेवाएं बंद रखने का आदेश दिया है। अदालत ने जिओ कंपनी के अधिकारी से पूछा कि जब सरकार ने ऐसा आदेश नहीं दिया है तो कंपनी की ओर से ऐसा मैसेज कैसे जारी किया गया है। इस पर जिओ के अधिकारी ने कहा कि गलती हो गई। अदालत ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि ऐसी गलती के लिए आपको यहां से सीधे जेल भेज दिया जाएगा।

## कुदाल से प्रहार कर पति ने पत्नी को मार डाला

**LOHARDAGA :** सदर थाना क्षेत्र के जुरिया सेमर टोली गांव में एक शख्स ने अपनी पत्नी की कुदाल से वार कर हत्या कर दी है। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद आरोपी वहीं बैठा रहा। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी सुकरा उरांव को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही हत्या में प्रयुक्त कुदाल को पुलिस ने जब्त कर लिया है। हालांकि अब तक हत्या के पीछे की वजह का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस से जानकारी के अनुसार रविवार को अंगनी उरांव घर के आंगन ने बैठी थी। इसी दौरान सुकरा उरांव आया और पत्नी अंगनी के गले पर ताबड़तोड़ कुदाल से वार कर दिया। जिससे अंगनी उरांव (35 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई।

# लोहरदगा के वृद्धाआश्रम में लीगल मेडिको कैंप का किया गया आयोजन

**PHOTON NEWS LOHARDAGA :** डालसा लोहरदगा ने अकेले नहीं है आप कार्यक्रम के तहत लीगल-मेडिको कैंप का आयोजन किया, जिसमें जिला जज द्वितीय नीरजा आसरी, डालसा सचिव राजेश कुमार, सब जज द्वितीय अर्चना कुमारी, प्रधान मजिस्ट्रेट जया स्मिता कुजूर एवं वृद्धाश्रम की संचालिका मनोरमा एक्का उपस्थित रहीं। कैंप में 15 वृद्धों का स्वास्थ्य जांच किया गया। साथ ही चिकित्सकों ने उन्हें स्वास्थ्य को लेकर उचित सलाह भी दी। लीगल-मेडिको कैंप में सदर अस्पताल लोहरदगा की पूरी टीम ने आरपी साहू के नेतृत्व में उपस्थित वृद्ध जनों एवं महिलाओं का शुगर, बीपी, सर्दी खांसी सहित

अन्य चिकित्सीय जांच की एवं दवाइयों का वितरण किया। साथ ही वृद्ध जनों एवं उपस्थित लोगों के बीच फल एवं मिठाइयों का वितरण किया गया। आने वाले ठंड को देखते हुए आवासित वृद्ध जनों के बीच कंबल का भी वितरण किया गया। एडीजे द्वितीय नीरजा आसरी ने कहा कि जीवन में सबसे जरूरी है खुश रहना। जो लोग आपलोगों को छोड़ दिए है उसके लिए दुखी नहीं होना है। आज के समय में जो आपका सहारा बन जाए वही आपका अपना है। उन्होंने कहा कि एक दूसरे से मिलकर रहें।

## कोडरमा में 30 लाख का ढिबरा जब्त, एक गिरफ्तार

**KODERMA :** रविवार को डोमचांच थाना अंतर्गत महेशपुर से वन विभाग ओर डोमचांच पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर अवैध ढिबरा लदा एक ट्रक को जब्त किया है। मामले मे ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है जिसकी पहचान अनिल यादव के रूप मे की गई है। जब्त ढिबरा की कीमत लगभग तीस लाख रुपए आंका गया है। वन विभाग को गुप्त सूचना मिली थी कि डोमचांच के कबरा बूट से सुनील मेहता और सीताराम बरनवाल के द्वारा अवैध खनन कर एक ट्रक मे अवैध तरीके से ढिबरा लोड कर कोलकाता ले जाया जा रहा है। जिसके बाद वन विभाग और पुलिस की एक छापेमारी टीम का गठन कर महेशपूर के समीप ट्रक को लोड कर जाँच की गई जिसमे ढिबरा लोड था।

# भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा आज खूंटी में, शुरू करेंगे परिवर्तन यात्रा

**PHOTON NEWS KHUNTI :** दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल में भाजपा की परिवर्तन यात्रा सोमवार से शुरू हो रही है। इस परिवर्तन यात्रा को शुरूआत करने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा खूंटी आ रहे हैं। जिसकी तैयारियां जोरों शोरों से की जा रही है। इन तैयारियों का जायजा लेने खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा कार्यक्रम स्थल पहुंचे।

खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने परिवर्तन यात्रा के बहाने राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि परिवर्तन यात्रा कई मायनों में खास है, क्योंकि इन पांच सालों में झारखंड की जनता पूरी तरह त्रस्त हो चुकी है। इस सरकार में झारखंड का विकास नहीं हो सकता। जिस उद्देश्य से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने झारखंड राज्य का गठन किया था, वह उद्देश्य अब तक पूरा नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा के माध्यम से वर्तमान झारखंड की हेमंत सरकार को सत्ता से हटाना है। दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल की परिवर्तन यात्रा भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती से शुरू होनी है, इसलिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

### बिनोद बिहारी की 101वीं जयंती पर झारखंड नवनिर्माण संकल्प सभा का आयोजन आज

# हम लड़ेंगे नौजवानों के हक की लड़ाई : सुदेश

**PHOTON NEWS HAZARIBAGH :** आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि खेत, किसान और नवजवान के हक की लड़ाई हम लड़ेंगे। झारखंड को विस्थापन के दंश से हम बाहर निकालेंगे। महतो ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बंदूक चलाना जानती है और झारखंड की छाती को छलनी करने की इनकी आदत रही है।

झारखंड आंदोलनकारियों की छाती में गोली चलाने वाली पार्टी है कांग्रेस। यह इनका काला सच है। पिछड़ा, विस्थापन और बेरोजगारी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है। इस पार्टी से राज्य के विकास की उम्मीद रखना बेईमानी है। इनके लिए विकास का कोई मापदंड नहीं है न ही विकास इनके लिए कोई मायने रखता है। सुदेश कुमार महतो +2 हाई स्कूल फुटबॉल मैदान में

आजसू प्रमुख सुदेश महतो का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

रविवार को आयोजित बड़कागांव विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन सह शपथ ग्रहण समारोह में बोल रहे थे। मौके पर विधानसभा क्षेत्र के हजारों चूल्हा प्रमुखों ने अपने पद की शपथ ग्रहण की। महतो ने कहा कि राज्य सरकार जनता की भावनाओं पर राजनीति कर रही है। सरकार ने राज्य की बड़ी आबादी के साथ धोखा किया है। जनाकांक्षा हमारी प्राथमिकता है। हमारी तैयारी जमीन के मालिक को उसका उचित हक और अधिकार दिलाने की है। सिर्फ मुआवजा नहीं बल्कि मुआवजा के साथ नौकरी और शेयर पर भी बात होगी। जमीन के मालिक भी अपने होंगे और कंपनी के अंदर काम भी अपने लोग करेंगे। पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि हेमंत सरकार के कार्यकाल में भ्रष्टाचार सातवें आसमान पर है। मुफ्त बिजली देने की बात करने वाली सरकार दिन में दस घंटे भी बिजली नहीं दे पा रही है। इन्होंने सरकारी पदाधिकारियों का आचरण ही बदल दिया है। जनता की सेवा के लिए बैठे लोग आज जनता की ही नहीं सुनते हैं। इस अराजक व्यवस्था से जनता त्रस्त है। पार्टी के केंद्रीय महासचिव रोशन लाल चौधरी ने कहा कि नियोजन, विस्थापन और स्थानीय नीति बनाने का वादा कर सत्ता में आई सरकार ने अपने वादों को भुला दिया है। वादाखिलाफी के नए कीर्तिमान बनाने वाली इस सरकार को जनता ने सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है। बड़कागांव के विकास को कुछ लोगों ने अपने निजी स्वार्थ के चलते रोक दिया है। अपना और अपने परिवार का विकास ही उनकी प्राथमिकता रही है। क्षेत्र की जनता अपने मत से इतिहास लिखेगी।

## खूंटी से लकड़ी तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

**KHUNTI :** लकड़ी तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह के सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। शनिवार की रात ओड़िशा से छोटे मालवाहक वाहन से अवैध रूप से लकड़ी ले जा रहे वाहन को जब्त कर पुलिस ने चालक को हिरासत में लिया है। ओड़िशा से लकड़ी का अवैध कारोबार चल रहा है, जो तोरपा-खूंटी के रास्ते रांची और अन्य स्थानों तक फैला है। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी खिस्तोफर केरकेट्टा ने रविवार को अपने कार्यालय में आयोजित सवांददाता सम्मेलन में दी। उन्होंने बताया कि मिली गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी दल ने शनिवार की रात को महिन्द्रा पिकअप वैन नंबर ओडी 14 एडी 6280 को तोरपा में चेकिंग लगाकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन वाहन चालक द्वारा वाहन को तेजी से भगाने लगा।

# पलामू से होकर गुजरी वंदे भारत एक्सप्रेस सांसद ने डालटनगंज में दिखाई हरी झंडी

**PHOTON NEWS PALAMU :** रविवार को वंदे भारत एक्सप्रेस (21893/21894) पलामू जिले से भी होकर गुजरी। यह ट्रेन सप्ताह में एक दिन टाटानगर से आएगी एवं पटना तक जाएगी। इसी तरह पटना से आकर टाटानगर को जाएगी। पलामू जिले में डालटनगंज एवं गढवा रोड रेलवे स्टेशन पर इसका ठहराव निर्धारित किया गया है।

पहले दिन ट्रेन के आने के बाद यहां से खुलने पर डालटनगंज में पलामू सांसद वीडी राम जबकि गढवा रोड रेलवे स्टेशन पर पूर्व मंत्री एवं विश्रामपुर के विधायक रामचन्द्र चन्द्रवंशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के लिए सांसद एवं अन्य भाजपा नेता कार्यकर्ता गाजे-बाजे के साथ डालटनगंज व गढ़वा रोड रेलवे

हरी झंडी दिखाकर वंदे भारत को रवाना करते सांसद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

स्टेशन पर पहुंचे थे। मौके पर सांसद वीडी राम ने वंदे भारत एक्सप्रेस को डालटनगंज व गढ़वा रोड रेलवे स्टेशन से चलाने के निर्णय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। साथ ही कहा कि इसी तरह से अन्य बड़ी ट्रेनें इस रूट से होकर चलेंगी। इसकी शुरूआत आज से हो गयी है। मेदिनीनगर की प्रथम मेयर अरुणा शंकर ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस के चलने से पलामू की बहुप्रतीक्षित मांग आज पूरी हो गयी। सपना साकार हो गया। उन्होंने कहा कि आज समय की बचत के लिए लोग हवाई सफर पर ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में ट्रेनों की स्पीड बढ़ाकर सेवा देने से समय की बचत होगी एवं लोगों का झुकाव भी ट्रेनों की ओर होगा।

# विश्व शांतिः युद्ध की आशंकाओं को न्यून करना होगा

भारत डोगरा

**यह सवाल बहुत से विश्लेषक पूछ रहे हैं कि निकट भविष्य में विश्व में किस महाशक्ति का दबदबा अधिक तेजी से बढ़ेगा? यह सवाल राजनीतिक, सामरिक और आर्थिक, सभी संदर्भों में पूछा जा रहा है। पर इससे बड़ी बुनियादी बात यह है कि जब तक विश्व में आधिपत्य की होड़ जारी रहेगी तब तक विश्व के तनाव दूर नहीं होंगे और हम एक युद्ध से दूसरे युद्ध की ओर ही जाते रहेंगे। विश्व पर आधिपत्य की दौड. में मानव इतिहास में विनाशकारी युद्ध होते रहे हैं। बीसवीं शताब्दी में दो विश्व युद्ध हो चुके हैं।**

विश्व के अनेक खतरनाक युद्ध जिस तरह लंबे खिंचते चले जा रहे हैं, वह गहरी चिंता का विषय है। युद्ध की आशंका को कम करना विश्व के लिए सदा एक बहुत सार्थक उद्देश्य रहा है, पर कुछ विशेष कारणों से हाल के समय में इसकी जरूरत पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

पहली वजह तो यह है कि महाविनाशक हथियारों की उपलब्धि से युद्ध अब असहनीय हद तक विनाशक हो गया है। परमाणु हथियार नौ देशों के पास हैं, और कुछ अन्य देशों में अमेरिका और रूस के हथियार तैनात या भंडारित रखे हैं। कुछ देशों के पास चोरी-छिपे रासायनिक और जैविक हथियार होने की संभावना है। सामान्य हथियार भी पहले से कहीं अधिक विध्वंसक हो चुके हैं।

दूसरी महत्त्वपूर्ण वजह यह है कि दुनिया में जलवायु बदलाव जैसी कई अति गंभीर पर्यावरणीय समस्याएं इस समय मौजूद हैं जो धरती की जीवनदायिनी क्षमता को ही खतरे में डाल देती हैं। इसके लिए नजदीकी अंतरराष्ट्रीय सहयोग और अमन-शांति के माहौल की जरूरत है। पड़ोसी देशों में विशेषकर बढ़ते सहयोग की निरंतरता से जरूरत है। युद्ध के माहौल में ऐसा सहयोग उपलब्ध नहीं हो सकता। युद्ध या युद्ध के माहौल में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय सहयोग को निरंतरता से प्राप्त करना संभव नहीं है। तीसरी बड़ी वजह यह है कि युद्ध मानव जीवन के लिए बहुत विनाशकारी होने के साथ एक बड़ा प्रदूषक भी है। ग्रीन हाऊस गैसों का एक बड़ा स्रोत युद्ध और युद्ध की तैयारी है और बहुत सा अन्य प्रदूषण हथियारों के निर्माण और तैनाती आदि से जुड़ा है। जहां एक ओर युद्ध और युद्ध की आशंका को कम करना पहले से बहुत जरूरी हो गया है वहां यह दुखद सच्चाई भी हमारे सामने है कि हाल के दशकों में अनेक देश युद्ध से बुरी तरह तबाह हो चुके हैं। संभवतः सबसे अधिक चिंता की बात तो यह है कि परमाणु हथियारों के उपयोग की आशंका विभिन्न कारणों से बढ़ी है और इस उपयोग की आशंका को रोकने के लिए जो समझौते अमेरिका और रूस में पहले से मौजूद थे, उनका नवीनीकरण नहीं हो रहा है।

इन विकट स्थितियों में यह विश्व स्तर पर बहुत जरूरी हो गया है कि युद्ध की आशंका को रोकने के लिए और अमन-शांति बनाए रखने के लिए प्रयासों को मजबूत किया जाए, इनमें निरंतरता बनी रहे और इन्हें एक बड़े जन-अभियान का रूप दिया जाए। इसकी जरूरत पहले भी थी पर अमन-शांति के बड़े जन-अभियान की जितनी जरूरत आज है, उतनी पहले कभी नहीं थी। इस अभियान को मजबूत करने के लिए शांति अभियान को महिला आंदोलन, न्याय, समता और लोकतंत्र के आंदोलनों और अभियानों से नजदीकी

संबंध बनाने चाहिए। परिवार और स्कूल/कॉलेज जैसे सबसे महत्त्वपूर्ण संस्थानों में युद्ध के विरुद्ध और अमन-शांति के पक्ष में मजबूत संदेश मिलना चाहिए। विभिन्न देशों के अमन-शांति के आंदोलनों और अभियानों को एक-दूसरे से सहयोग करने के समुचित अवसर मिलने चाहिए और कला, संस्कृति, मीडिया स्तर के आदान-प्रदान की इसमें सार्थक भूमिका हो सकती है। अमन-शांति के संदेश को मजबूत करने में महिलाओं की बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। पाठ्यक्रमों में अनेक स्तर पर अमन-शांति के संदेश को महत्त्व दिया जा सकता है। आधुनिक युद्ध कितना खतरनाक हो चुका है और इस खतरे से बचना बहुत जरूरी है, इस समझ को विभिन्न स्तरों पर आम लोगों तक पहुंचना चाहिए।

यह सवाल बहुत से विश्लेषक पूछ रहे हैं कि निकट भविष्य में विश्व में किस महाशक्ति का दबदबा अधिक तेजी से बढ़ेगा? यह सवाल राजनीतिक, सामरिक और आर्थिक, सभी संदर्भों में पूछा जा रहा है। पर इससे बड़ी बुनियादी बात यह है कि जब तक विश्व में आधिपत्य की होड़ जारी रहेगी तब तक विश्व के तनाव दूर नहीं होंगे और हम एक युद्ध से दूसरे युद्ध की ओर ही जाते रहेंगे। विश्व परआधिपत्य की दौड़ में मानव इतिहास में बहुत विनाशकारी युद्ध होते रहे हैं। बीसवीं शताब्दी में दो विश्व युद्ध हो चुके हैं। तब से अब तक विनाशकारी हथियारों की मारक क्षमता हजारों गुणा बढ़ चुकी है, और इतने परमाणु हथियार भंडारण में हैं कि विश्व के अधिकांश जीवन को कई बार समाप्त कर सकते हैं। साथ में धरती के बड़े क्षेत्र को बुरी तरह विषैला भी बना सकते हैं।

एक बहुत बड़ी चुनौती हमारे सामने है कि आधिपत्य की इस दौड़ को बिना किसी बड़ी हिंसा के समाप्त कर दिया जाए। एक ओर इतने विध्वंसक हथियारों का भंडार हो तथा दूसरी ओर इनसे लैस महाशक्तियां निरंतर संदेह तनाव और दुश्मनी के भाव से रहें तो किसी भी समय अनहोनी घट सकती है। अतः समय रहते इन तनावों और दुश्मनियों और आधिपत्य की होड़ का शान्तिजनक समाधान निकालना जरूरी है। इसके लिए सामरिक, राजनीतिक, आर्थिक, व्यापारिक सभी स्तरों पर प्रयास करना होगा। यही एक बडक्ष सवाल है कि क्या ऐसे बड़े और जरूरी बदलाव अमन-शांति के माहौल में लाए जा सकते हैं? इस तरह की क्षमता विकसित करना आज विश्व के लिए बहुत जरूरी हो गई है।

सोवियत संघ का विघटन एक दिन तो होना ही था तो अच्छा हुआ कि वह बिना किसी बड़े युद्ध के हो गया। पर उसके बाद शीत युद्ध समाप्त कर अमन-शांति का नया दौर आरंभ करने का जो बड़ा अवसर विश्व को मिला था जो उसने खो दिया। वजह वही थी कि मूल प्रवृत्ति आधिपत्य की थी। बड़े पूंजीवादी देशों ने सोचा कि यह समय रूस को दबाने का है। पर रूस ने अपनी सामरिक शक्ति की एक सीमा तक रक्षा की और फिर नये शीत युद्ध की स्थिति उत्पन्न हुई।

अब तो बस यही उम्मीद है कि निकट भविष्य में तेजी से बढ़ते तनावों का संतोषजनक समाधान अमन-शांति के माहौल में प्राप्त कर लिया जाए। पर केवल उम्मीद करना निश्चय ही पर्याप्त नहीं है। इसके साथ ही विश्व स्तर पर अमन-शांति के जन-आंदोलन को मजबूत करना भी बहुत जरूरी है। इसके अतिरिक्त महाविनाशक हथियारों और अन्य अति विध्वंसक हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए और उनके वास्तविक उपयोग की संभावना को रोकने के लिए बहुत जरूरी प्रयास चाहिए। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समझौते जरूरी हैं। इस समय तो बहुत चिंताजनक स्थिति यह है कि इस तरह के पहले से हुए समझौतों का भी नवीनीकरण समय पर नहीं हो पा रहा है। इन समझौतों के महत्त्व के बारे में भी व्यापक स्तर पर जन-जागृति बहुत जरूरी है। कुल मिलाकर अंतरराष्ट्रीय तनावों को सुलझाने के लिए अब अमन-शांति के जन-आंदोलन की बढ़ती भूमिका का दौर है और व्यापक नई पहल करने का दौर है।

## संपादकीय

# सवाल फैसले पर

सुप्रीम कोर्ट ने स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनड़ीपीएस) अधिनियम के तहत किसी मामले में जमानत देने को बहुत गंभीर मसला कहा है। पीठ ने पश्चिम बंगाल सरकार को यह बताने का निर्देश दिया कि वह एक मामले में चार आरोपियों की अग्रिम जमानत रद्द करने के लिए आवेदन दायर करने के लिए विचार कर रही है क्या? याचिकाकर्ता के अनुसार मामले के छह आरोपियों में से चार को गिरफ्तारी पूर्व जमानत दी गई है जबकि उनमें से एक नियमित जमानत पर है। पीठ ने आश्चर्य जताया कि इस मामले में अग्रिम जमानत के बारे में कभी नहीं सुना गया। अदालत ने कहा हम राज्य को सह-आरोपी को दी गई अग्रिम जमानत रद्द करने के लिए आवेदन करने का निर्देश दे सकते हैं। याचिका में आरोपी ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती है जिसमें अक्टूबर, 2023 में दर्ज मामले में नियमित जमानत की मांग वाली उसकी अर्जी खारिज कर दी गई थी। हाई कोर्ट का कहना था, नमूनों की जांच सकारात्मक है जो संकेत है कि जब्त सामग्री प्रतिबंधित है। इसमें गांजा की व्यावसायिक मात्रा एनड़ीपीसी अधिनियम की धारा 37 में प्रतिबंधों को आधार बनाते हुए अदालत ने जमानत खारिज की थी। 2021 में सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले में कह चुका है कि गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम की तरह एनड़ीपीएस भी एकपक्षीय जमानत दिए जाने और प्रथम दृष्टया संतुष्टि के बिना कि आरोपी निर्दोष है और भविष्य में उसके द्वारा अपराध करने की संभावना नहीं है, जमानत दिए जाने से रोकता है। अदालतें विवेक और साक्ष्यों के आधार पर एक जैसे मामलों में अलग-अलग फैसले देती रही हैं। हालांकि जैसा कि शीर्ष अदालत ने नाराजगी जताई कि छह में से चार आरोपियों को पूर्व जमानत और उक्त याचिकाकर्ता पर सख्ती संदेह पैदा करती है वरना सह-अभियुक्तों की जमानत तत्काल खारिज की जानी चाहिए। मामला अदालत में है, जब तक सजा नहीं सुना दी जाती। कोई कानूनी पेचीदगी आड़े. नहीं आती तो कड़ी शर्तों के साथ उसे भी कुछ दिनों की जमानत देने का रास्ता निकालना नामुमकिन नहीं लगता।

# भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का विस्तृत क्षितिज

भारत दुनिया की सबसे बड़ी एवं सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और इसका खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आर्थिक विकास को गति देने एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भारत सरकार ने विभिन्न व्यावहारिक पहल के साथ-साथ सुधारों के नए युग की शुरूआत की है, जिसने भारत को तेजी से विकास के पथ पर ला खड़ा किया है। भारत सरकार की प्रगतिशील नीतिगत पहल एवं उपायों के कारण खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र ने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है और मैन्यूफैक्चरिंग के सकल मूल्य वर्धित (जीवीए) में 7.66 प्रतिशत और वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कृषि के जीवीए में 8.45 प्रतिशत का योगदान दिया है।

समृद्ध एवं विविधतापूर्ण कृषिगत संसाधनों से लैस भारत वैश्विक स्तर पर खाद्य उत्पादन के मामले में महत्वपूर्ण शक्ति है। दूध, पोषक अनाज, खाद्यान्न, फल, सब्जियां, चाय और मछली जैसी कई खाद्य पदार्थों का सबसे बड़ा उत्पादक होने के नाते, इसने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का कृषि-खाद्य निर्यात बढ़कर 46.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जो इस क्षेत्र की तीव्र प्रगति और इसके बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। कुल कृषि-खाद्य निर्यात में प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की हिस्सेदारी 2014-15 में 4.90 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़ कर 2023-24 में 10.88 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। नवाचार, निवेश और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के सही मिश्रण के साथ, यह क्षेत्र अपनी क्षमता का संपूर्ण दोहन करने और देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए तैयार है।

भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार एवं विविधतापूर्ण अवसर उपलब्ध हैं और इसका प्रत्येक उप-क्षेत्र विकास की अनूठी संभावनाएं प्रदान करता है। प्रौद्योगिकी के आगमन ने इस उद्योग में क्रांति ला दी है, जिससे खाद्य सुरक्षा, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में अभूतपूर्व प्रगति हुई है। ई-कॉमर्स में आए उछाल और उपभोग के लिए तैयार (रेडी-टू-ईट) व सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग ने इस क्षेत्र के विकास के नए रास्ते खोल दिए हैं, जिससे यह निवेशकों और उद्यमियों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र के समग्र विकास को सहायता प्रदान करने हेतु, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (एमओएफपीआई) ने ऐसी कई योजनाएं और पहल लागू की हैं जो बदलाव लाने और एक मजबूत इकोसिस्टम को बढ़ावा देने में अहम रही हैं। यह इकोसिस्टम सूक्ष्म, लघु, मध्यम एवं बड़े उद्यमों में नवाचार, निवेश और समावेशिता को प्रोत्साहित करता है। प्रधानमंत्री किसान सम्पदा योजना (पीएमकेएसवाई) नाम की प्रमुख योजना ने खेतों से रिटेल आउटलेट तक कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इन प्रयासों से न केवल फसल कटाई के बाद होने वाले नुकसान को कम किया जा सका है, बल्कि निर्यात क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआईएस) भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के विकास और प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने की दिशा में एक प्रमुख प्रयास है। मंत्रालय देश में सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की स्थापना/उन्नयन के लिए वित्तीय, तकनीकी और व्यावसायिक सहायता प्रदान करने हेतु केन्द्र प्रायोजित ह्लपीएम सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यमों की औपचारिकीकरण योजना (पीएमएफएमई)ह्व भी लागू कर रहा है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ऐसे जीवंत व सुदृढ़ खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है जो न केवल भारत की आर्थिक समृद्धि में योगदान दे, बल्कि देश के लोगों का कल्याण भी सुनिश्चित करे।

**- अनीता प्रवीण (लेखिका, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में सचिव हैं।)**

## चिंतन-मनन

# मौन का तन मन की सुन्दरता के लिये महत्व

प्रत्येक मनुष्य सुन्दर एवं स्वस्थ्य रहना चाहता है। सुन्दरता एवं स्वस्थ्य का राज मौन मै छिपा हुआ है। सामान्यतः चुप रहना मौन है, प्राचीन पुराण बचन के साथ ईष्या, डाह, छल, कपट और हिन्सा को कम करना मोन होता है। मनोवैज्ञानिक ह्यफ्रायडह्ल का कहना है कि जीवन अन्तर्द्वद्वी श्रृंखलाओं से मिल कर बना है। अन्तर्द्वद्व दो या दो से अधिक विरोधी इच्छाओं का एक साथ उत्पन्न होना है। ये असीम इच्छायें पूर्ण न होने पर तनाव नामक बीमारी देती है। जिससे आज के अधिकांस व्यक्ती ग्रासित है। अन्तर्द्वद्व में फंसे व्यक्ति की स्थिति कई विपरीत दिशाओं से आने वाली नदियों के पानी के साथ मिलने से भॅवर बनती है कि जैसी हो जाती है। भॅवर में फसे व्यक्ति को न बैठे शांति मिलती है न लेटे, न भूख लगती है, न प्यास, न ही ध्यान अध्ययन में मन लगता है। याददास्त क्षमता कम हो जाती है। हार्ट अटेक, आत्म हत्या भी इसी कारण करते हैं।

हर मनुष्य अन्नत शक्तिमान है। यह शक्ति मन एवं पाचों इन्द्रियों के कार्यो में खर्च होती है। मन एवं इन्द्रियों को बस मे करने का कार्य ह्यमौनह्ल करता है। मौन रहने से मनुष्य के अन्दर की छुपी हुई शक्ति उदय हो जाती है। आज के कल युग में इनद्रिय विषय-भोगों की सामग्री में वहुत वृद्धि हूई है जिसे अपनाने पर इक्छा शक्ति में अधिक बृद्धि हो रही है। जो टेन्सन को जन्म देती है। अतः आज टेन्सन बड़ी बीमारी हो गई है। जो भी व्यक्ति अधिक बोलते है उनके मुख में रहने वाला पाचक रस सूख जाता है। मानसिक सन्तुलन खो जाता है, हृदय गति तेज हो जाती है। मान इन सब परेशानियों से बचने की राम वाण औषधी है। दिन में एक घण्टा मौन रहने पर दो घण्टे की कार्य क्षमता में बृद्धि होती है। रक्त प्रवाह सामान्य स्वस्थ्य होता है, तन, मन, सुन्दर बनता है। अतः संयमित वोल मान को जीवन में अपनाना चाहिये।

# हम किसी के खिलाफ नहीं ,सब हमारे खिलाफ

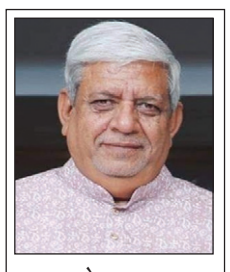

राकेश अचल

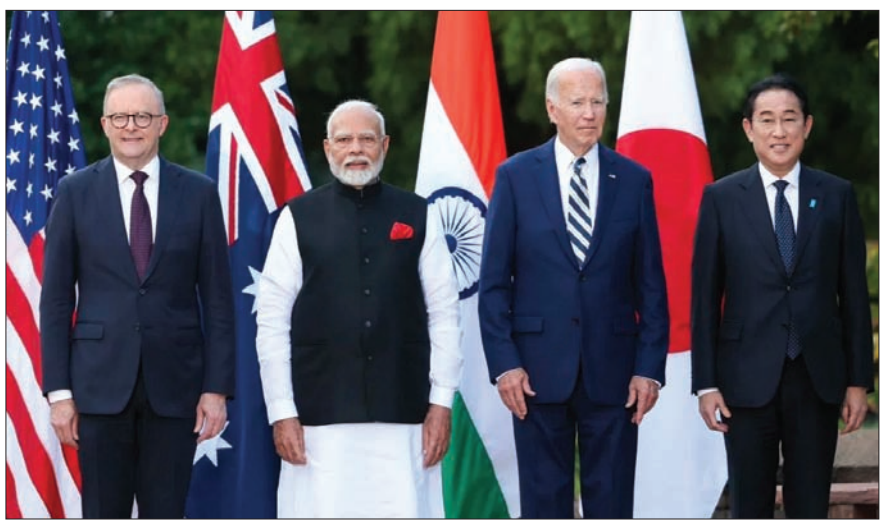

अमेरिका ने भारत के सुरक्षा सलाहकार को समन देकर बुलाया है और प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी को एक अतिथि के रूप में । वे अमेरिका में हो रहे क्वाड सम्मेलन में शामिल हुए हैं। अमेरिका के बराबर व्यवहार की अनदेखी कर मोदी जी ने दरियादिली दिखते हुए कहा है कि क्वाड शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी हुई है। ऐसे में साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड का एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हम किसी के खिलाफ नहीं हैं। उन्होंने ये नहीं कहा की हमारे खिलाफ कौन-कौन है ? क्योंकि सब जानते हैं की शेष दुनिया का बड़ा हिस्सा हमारे खिलाफ है।

आपको बता दूँ कि अमेरिका के डेलावेयर में आयोजित क्वाड शिखर सम्मेलन में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के राष्ट्राध्यक्ष शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब दुनिया तनाव और संघर्ष से घिरी है। माननीय मोदी जी ने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के आधार पर क्वाड देशों को एक साथ काम करना पूरी मानवता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अभी ये पता नहीं चला कि मोदी जी अपने पुराने मित्र डोनाल्ड ट्रम्प से मिले या नही। उन्होंने बराक ओबामा से भेंट कि या नहीं। ओबामा से मोदी जी के तो-तड़ाक वाले रिश्ते हैं।

अमेरिका से खबरें आ रहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के पहले चरण में अमेरिका के फिलाडेल्फिया हवाई अड्डे पर पहुंचे। क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। दोनों नेताओं ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए नए रास्ते खोजे।वेदन और मोदी जी कि मुलाकात में डोभाल को समन और व्हाइट हॉउस में पृथकतावादी आंदोलन के समर्थकों से मुलाकात का मुद्दा उठा या नहीं ,इसकी जानकारी फिलहाल उपलब्ध नहीं है।

क्वाड सम्मेलन के लिए जिसने भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदर दस मोदी का भाषण लिखा ,बढ़िया लिखा । मोदी जीने कहा कि -हम सभी नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान और सभी मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करते हैं। स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत हमारी साझा प्राथमिकता और साझा प्रतिबद्धता है।उन्होंने कहा, क्वाड देशों ने स्वास्थ्य, सुरक्षा, महत्वपूर्ण उभरती प्रौद्योगिकियों, जलवायु परिवर्तन और क्षमता निर्माण जैसे क्षेत्रों में कई सकारात्मक और समावेशी पहल की हैं। कहा, हमारा स्पष्ट संदेश है- क्वाड यहां रहने, सहायता करने, साझेदारी करने और पूरक बनने के लिए है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति बाइडन और अपने सभी सहयोगियों को इस सम्मेलन के लिए बधाई दी। साथ ही 2025 में भारत में क्वाड लीडर्स समिट की मेजबानी करने की प्रतिबद्धता दोहराई। इससे एक संदेश भारत के विपक्षी दलों को भी मिला कि मोदी जी न तो अभी देश में मध्यावधि चुनाव करने वाले हैं और न 75 के होने पर राजनीति से सन्यास लेने वाले हैं। वे जो बाइडन को शाद अपना आदर्श मान बैठे हैं और कम से कम जो बाइडन की उम्र तक तो सत्ता छोड़ने वाले नहीं हैं। आपको पता ही होगा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन साहब इस समय कुल 82 साल के हैं।

क्वाड शिखर सम्मेलन के बाद सदस्य देशों के नेता कैंसर मूनशॉट इवेंट में शामिल हुए. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कैंसर की रोकथाम के लिए 7.5 मिलियन डॉलर के पैकेज और 4 करोड़ वैक्सीन डोज की घोषणा की. उन्होंने कहा कि भारत का विजन है- वन अर्थ, वन हेल्थ। निश्चित ही भारत कि ये पहल भारत के सनातन सूत्र वसुधैव कुटुंबम की अवधारणा के अनुरूप है। मोदी कि अमेरिका यात्रा के क्या निहितार्थ निकले जायेंगे ,ये बताना अभी जरूरी नहीं है लेकिन उनकी इस यात्रा का डंका भारत में हो रहे अनेक विधानसभाओं के चुनावों में अवश्य सुनाई देगी, क्योंकि देश में मोदी जी समस्याओं से घिरे हैं, उनकी उपलब्धियों का झुनझुना बजने से पहले ही कोलाहल में डूब जाता है ,किन्तु मोदी जी हार मैंने वालों में से नहीं है। भले ही देश के लोग वन नेशन- वन इलेक्शन के उनके ख्वाब कि अनदेखी करें किन्तु वे दुनिया को तो वन अर्थ -वन वैल्थ का मन्त्र देकर ही माने ।

हम उम्मीद करते हैं कि मोदी जी कि अमेरिका यात्रा कामयाब हो ताकि हमारे सुरक्षा सलाहकार डोभाल साहब की रक्षा हो सके। हमारे देश के खिलाफ अमेरिका में काम कर रहे समूहों को वहां कि सरकार का समर्थन मिलना बंद हो सके। हम मोदी जी कि कामयाबी चाहते है। वे देश में कामयाब नहीं हो पा रहे तो कम से कम विदेश में तो कामयाब हो जाएँ ,अन्यथा उनके शांतिदूत बनने के सपने का क्या होगा ? वे अभी तक रूस और यूक्रेन का युद्ध तो रुकवाने में कामयाब हो नहीं पाए। बहरहाल मोदी जी ही हैं जो हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा के चुनावों के दौरान भाजपा को अकेला छोड़कर अमेरिका चले गए ,कोई दूसरा होता तो शायद बीमारी का बहाना बना लेता ।मोदी जी के सम्बोधन का चीन और पाकिस्तान ही नहीं बल्कि रूस और बाकी की दुनिया पर क्या असर पडेगा ,देखना जरूरी है। जय हो मोदी जी की।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# India's deft balancing act on foreign policy front

THE Narendra Modi government outlined two axioms of India's foreign policy — 'Bharat First' and 'Vasudhaiva Kutumbakam' (the world is one family) — when it came to power in June this year. Its intention has been to maintain the momentum of the foreign policy initiatives that yielded success in the last decade. After the 2024 General Election, questions were raised about the government's ability to steer decisions on foreign policy because of the lack of an absolute majority in the Lok Sabha. During the first 100 days of Modi 3.0, some crucial foreign policy initiatives were taken to address critical emerging challenges.India's national interests have been driving its relations with the major powers, and it is fair to say that it has managed to strike a balance between maintaining an autonomous position and creating friendships. Russia has remained a constant in India's foreign policy (historically and amid the ongoing Russia-Ukraine war), reinforced by PM Modi's visit to Moscow in July. New Delhi's prime areas of interest in its relations with Russia continue to include defence, energy and the strategic domain.New Delhi's relations with Washington remain significant, given India's most critical strategic challenge of China's growing assertion on its border and Beijing's expanding presence in neighbouring countries. India-US ties are likely to grow, irrespective of whether a Democrat or a Republican gets elected in the US. The existing trajectory of the partnership indicates expansion of cooperation in economic, strategic, technological and defence sectors.The criticality of its neighbourhood for India was evident in the statement made by External Affairs Minister S Jaishankar at the Jasjit Singh Memorial lecture at the Centre for Air Power Studies in August: "What we have tried to do in the last 10 years is actually to economically bring our neighbours much closer… there will be political ups and downs… these are realities we have to accept... but…we today have more resources, more capabilities, we are geographically at the centre, our size is so much bigger… we need to drive the process, we will set the pace, and we will go the extra mile." Undoubtedly, India's neighbourhood policy needs a push. It cannot achieve the objective of becoming a $5-trillion economy without focusing on regional economic integration.The heads of India's neighbouring countries (except for Pakistan and Afghanistan) and heads of island nations in the Indian Ocean Region (IOR) were invited to PM Modi's swearing-in ceremony. The External Affairs Minister's visit to Male in August appositely conveyed India's intentions that the Maldives remained an important partner of India in maintaining peace in the IOR.In its relations with Pakistan, India remains firm on a strictly conditional dialogue. The two nations have had no diplomatic dialogue after the January 2016 terror attack on the Pathankot Air Force station by Pakistan-sponsored terror group Jaish-e-Mohammed that derailed the Modi government's peace initiatives. Pakistan has often tried to highlight the reversal of the abrogation of Article 370 as a precondition for talks or diplomatic exchange with India. This position is a nonstarter, as India's decision and position on Article 370 remain unchanged. Also, the Jammu region has seen significant infiltrations from Pakistan and a series of terror attacks since June.

This is the 10th year of India's Act East Policy (AEP), which charted the way for its engagement with the East. PM Modi's recent visits to Brunei and Singapore signified the importance of the AEP. India is exploring a wide range of areas of cooperation with Southeast Asian nations, such as semiconductors, hydrocarbons, healthcare and skill development. Singapore is the largest trading partner for India within ASEAN and the top source of foreign direct investments into India. Brunei is important for India's space programme, and New Delhi is seeking to enhance space cooperation with it.

# Punjab needs a robust policy to tackle agrarian crisis

**Punjab does not have an agriculture policy till date. Three policy drafts have been submitted to the government over the past decade or so.**

Punjab does not have an agriculture policy till date despite the fact that three policy drafts have been submitted over the past decade or so. The first draft (58 pages), prepared under the chairmanship of GS Kalkat, was presented to the state government in March 2013. It was neither made public by the government nor turned into a policy. The second one (21 pages), prepared under the chairmanship of Ajay Vir Jakhar, was presented to the government in 2018. This, too, met with the same fate.In January 2023, the government constituted an 11-member committee of experts under the convenership of Sukhpal Singh to prepare the third draft. This committee prepared an exhaustive policy draft (211 pages) and presented it to the government on October 13, 2023.The government, however, took more than 11 months to make it public, and that too under the pressure of farmers' unions. Inexplicably, the government also simultaneously engaged the Boston Consulting Group as a consultant to seek advice on crop diversification. This only shows that successive governments have neither been serious about formulating an agriculture policy nor have had faith in their duly constituted committees. The second and third drafts were prepared under the convenership of the chairpersons of the Punjab State Farmers and Farm Workers' Commission, a statutory body.A significant underlying thread in all three drafts is the acknowledgement of the agrarian crisis as a consequence of declining farm income and other factors. The crisis has been amply reflected in the suicide surveys conducted by three state universities — Punjab Agricultural University (PAU), Guru Nanak Dev University and Punjabi University. As per official data, more than 16,000 farmers and farm labourers have died by suicide between 2000 and 2016 in Punjab. The numbers would have only risen in subsequent years.

In view of the deepening agrarian crisis, all three drafts have laid emphasis on improving the productivity, profitability and sustainability of farming and income of the farmers and farm labourers. The 2030 UN Agenda on Sustainable Development Goals suggests that all sectors, including agriculture, be considered from three dimensions of sustainability: economic, social and environmental. The agenda says that if a farm is not economically sound or not resilient to external shocks or if the wellbeing of those working on the farm is not considered, a farm cannot be sustainable. Increased investments in R&D and infrastructure, strengthening extension services, high-value crops, improved livestock and dairying, value addition, assured marketing, establishment of the price stabilisation fund, crop diversification, curbing the depleting water table and deteriorating soil health have been the recommended solutions in almost all policy drafts.The first and second drafts had 12 and 14 policy recommendations, respectively. The third has 28. Though the latest draft seems to have immensely benefited from the earlier ones, it has a number of novel and more elaborate recommendations compared to the earlier ones.Based on agro-climatic zones, the third policy draft has recommended the cultivation of crops in their natural growing areas. The establishment of institutes of excellence with focus on agri-marketing research and intelligence, innovative agricultural marketing and multi-purpose cooperative societies, democratic and transparent functioning of the cooperative sector, etc., are main recommendations in this domain. The policy has laid down special emphasis on every crop and has recommended that Punjab be developed as a seed hub.Unlike the earlier drafts, this one has come up with an elaborate plan to develop organic farming. A Punjab-specific crop insurance policy, enhanced compensation to the families of suicide victims to the tune of Rs 10 lakh each, provision of free healthcare to farmers and farm workers, pension to farm workers and small farmers after the age of 60, one-time debt settlement and registration of money-lenders are some of the other salient recommendations.The draft also recommends legal guarantee of MSP for the crops being cultivated in Punjab, but does not say anything about the implementation of the Swaminathan formula, which is a major demand of farmers. The earlier two drafts, too, had highlighted the issue of non-procurement of crops at the MSP, except wheat and paddy. Again, the third draft shows a serious concern about the depleting water table and increasing use of electricity in the agriculture sector, but is silent on free power to run tubewells. Contrary to it, the first draft had recommended metering of power and charging beyond a certain level of free supply, while the second one had recommended restriction of free power to farmers having up to 10 acres of land.However, the good part is that the latest draft has strongly recommended a ban on paddy cultivation in 15 highly over-drafted blocks. Notwithstanding this, there are a good number of best practices of water-saving cultivation being experimented by some farmer groups. The farmers' commission may interact with them before finalising the policy.In view of the shrinking job avenues in the agriculture sector, the issues of unemployment and disguised unemployment in farming deserve a serious consideration, but the draft has made only a passing reference to them. The large number of vacant posts in PAU, Guru Angad Dev Veterinary and Animal Sciences University, government departments and boards concerned have been aptly highlighted in the draft and merit immediate government attention.The recommendations in the draft need an informed public discourse by all stakeholders, even as the finances are a major challenge. Still, there are many recommendations that require little or no finances. Let's hope that the third draft culminates in an appropriate agriculture policy.

# Judge's Pak remark

**Onus on judiciary to combat communal stereotypes**

IN this age of social media and incessant public scrutiny, it's not easy for persons in high places to say anything and get away with it. Once immune to criticism, judges, too, are feeling the heat. Taking suo motu cognisance of reports about controversial remarks by Justice Vedavyasachar Srishananda of the Karnataka High Court, the Supreme Court has sought a report from the HC Registrar General. In a video clip that has gone viral, the judge is heard saying during a case hearing that a certain area of Bengaluru is in Pakistan. Justice Srishananda left no room for doubt that he was referring to the Muslim community when he said that every autorickshaw in that area had 10 people and even a strict police officer would be beaten up there.The judge has laid bare his deep-rooted prejudice, causing embarrassment to the entire judiciary. The delivery of justice is bound to be adversely impacted when some judges are perceived to have political or communal leanings. In May, Justice Chitta Ranjan Dash of the Calcutta High Court had thanked the RSS in his farewell speech and fondly recalled his long association with the right-wing body. The disclosure had cast a shadow on his entire career and shown the high court in a poor light.

Article 50 of the Constitution, which puts the onus on the State to separate the judiciary from the executive in public services, seems to have been conveniently forgotten. As is often the case these days, the Supreme Court has taken it upon itself to set things right. Upset at the provocative remark of Justice Srishananda, a five-judge SC Bench has said that it may lay down basic guidelines. It's the need of the hour to ask judges at all levels to mind their language. The apex court had taken a commendable initiative last year by bringing out the Handbook on Combating Gender Stereotypes. Something similar is required to counter communal stereotypes.

# Why Modi has thrown the dice in J&K

## THE GREAT GAME: It's in the PM's self-interest — as well as in national interest — to let full statehood return

THERE's a calm in Srinagar that hasn't been seen in years. Parks are full of children playing football and parents sitting around, gossiping. Lal Chowk is clean, with a huge hoarding that displays an ad for a pregnancy test kit. A Starbucks restaurant has opened in a mall on the bund, in front of the tall row of chinar trees still standing sentinel. Auto-wallahs and Uber-wallahs (who still won't go to Pantha Chowk in the evening) and shop-keepers celebrate the return of the Indian tourist to the Kashmir valley. Schools are full and open the year-round — outside Presentation Convent, an electronic board says, "A good student is one who drinks deeply from the well of knowledge."Still, take a deep breath and stand on the Jhelum bund, and wonder — is this the calm before the storm? What will happen when people realise, after the Assembly elections are done on October 1, that the 'Delhi model' of truncated power will be imported into Jammu & Kashmir?

That there is no easy return to full statehood, at least not yet, despite PM Modi's promise at an election rally earlier this week. That Modi's hand-picked man, the Lt Governor, will continue to take charge of powerful departments like land and law and order issues, while an elected CM runs the rest of the show.

Or is this the calm after the storm — have the people realised that there's no more point in stone-pelting or protesting or joining militancy? Certainly, Kashmiris, more than anyone else in the country — with the exception of Manipuris — are keenly aware that one wrong step will provoke the Indian state into cracking down so hard that the memories of firing that August morning in 2019 to scare off a people's protest in Soura, a Srinagar suburb, will remain just that — a handful of diminished memories.

Perhaps, this is a calm because of the storm. It is clear that PM Modi has thrown the dice again, and played the most important ace in its pack. Modi knows that the stakes, especially in the international arena, are enormous — he's going to the US and will rub shoulders with global leaders, who are sure to ask him about Kashmir.He knows better than most that the conduct of the ongoing poll will make all the difference — it will either enhance his credibility or it will deepen the doubt. As it is, he has lost some of his awe in the wake of the Lok Sabha polls; any further squandering in Haryana and Maharashtra will undermine him further.But Kashmir is different. This election is not just about who wins — although, if the BJP manages to form the government, by hook or by crook, then that is not just icing on the cake, it's unmitigated delirium — but a verdict on the past five years. Besides the fact that some public projects have been won by contractors from eastern Uttar Pradesh, the home region of Lt Governor Manoj Sinha, the fact is that some of Home Minister Amit Shah and Defence Minister Rajnath Singh's most capable officers and soldiers have colluded in ensuring the successful delivery of goods, which has directly translated into a reduction in militancy.

That's why this election is different. It's definitely about a definite reduction in new recruits into militancy — there are said to be about 75 in the Valley and another 75 in Jammu region. This summer, the Indian Army lost not just jawans, but an unusual number of officers, mostly in ambushes by highly trained and motivated terrorists carrying US-made weapons like M-4 assault rifles — presumably stolen from the Afghan theatre — who dug tunnels under the international boundary to enter the Jammu region and take Indian soldiers by surprise.

Still, it is to the credit of the Indian Army that it has regrouped, both on the Line of Control — where a ceasefire agreement with Pakistan remains intact — as well as in the Jammu region. It seems to have, more or less, wrested back the advantage.

This election is important because it will draw a line under PM Modi's most important political decision so far. When Article 370 was summarily abrogated that early August morning, a web of security was thrown around J&K. Pockets of resistance, such as the media, were isolated. Journalists and photographers and activists were put on no-fly lists and local newspapers turned into little more than mouthpieces. Politicians were put under house arrest or summarily thrown into jail. Some of them, like the sitting MP from Baramulla, Engineer Rashid, arrested under the UAPA anti-terror law, are back campaigning this election, bringing many to ask whether he and other candidates from the banned Jamaat-e-Islami, fighting as Independents, are in fact proxies of the BJP.The bigger question, five years on, is whether it was worth it. Can you measure the fact that the streets are clean, the parks are full, kids go to school and the highways are as smooth as Hema Malini's cheeks, against the fact that democracy, as we know it, has been off-kilter these five years? Most of all, bureaucrats, however competent, cannot replace politicians, whose job it is to listen to people and their grievances. The question is, will the polls usher in a new era, and if so, how different will it be from the old era?That's why it is in Modi's self-interest — as well as in India's national interest — to let a full statehood return to J&K. The best part is that everyone in the former state knows, today, that things can be fixed, good governance is possible, and best of all, militancy can be controlled. Imagine what a model that is for an elected government round the corner.The first phase in a three-phase poll has just taken place, in south Kashmir, in parts of the heart of insurgency — a 60 per cent turnout is an astonishing indicator. It means that stone-pelters can be persuaded to turn from stones to votes, that years of pent-up resentment can be channelised towards the greater good. Kashmir's years of chaos and grief can never be forgotten, but imagine, if this election is the beginning of a new page.If it is, and a full restoration of democracy is in order, then Kashmir can dream of returning to normalcy. Today, it stands on a precipice. One step forward or backward is sure to decide its destiny.

NEWS BOX

## Vodafone Idea signs $3.6 Billion deal with Nokia, Ericsson, and Samsung for network equipment supply

**NEW DELHI.** Vodafone Idea Limited (VIL), India's third-largest telecom service provider, announced a deal worth $3.6 billion (approximately Rs. 300 billion) with Nokia, Ericsson, and Samsung for network equipment supply over three years. The company said that the deal initiates VIL's three-year capital expenditure plan of approximately $6.6 billion (Rs. 550 billion), aiming to expand 4G coverage, launch 5G in key markets.

VIL has continued its partnerships with existing long-term partners Nokia and Ericsson while also onboarding Samsung as a new partner. Vodafone Idea, the cash-strapped telecom operator, is the only private company yet to launch its commercial 5G network in India, despite acquiring 5G spectrum two years ago. In contrast, competitors Reliance Jio and Bharti Airtel are rapidly expanding their 5G networks and have nearly covered the entire country. Vodafone Idea's cash crunch has hindered its ability to expand its 4G network, leading to a decline in customers due to insufficient 4G coverage and no 5G network.According to the Telecom Regulatory Authority of India, Vodafone Idea lost 1,413,910 subscribers and held an 18.46% market share dip as of July 2024. Vodafone Idea emphasized that its top priority is to expand 4G coverage to 1.2 billion Indians. Following its recent equity raise of Rs. 240 billion and an additional spectrum acquisition of Rs. 35 billion in the June 2024 auction, the company has initiated quick-win capital expenditure projects. These include deploying more spectrum on existing sites and rolling out new sites, resulting in a 15% capacity boost and an increase in population coverage by 16 million by September 2024. Currently, the Capex is funded through the equity raise. In the first quarter of FY2024-25, Vodafone Idea reported a consolidated net loss of Rs. 6,432 crore. However, the company improved its average revenue per user (ARPU) to Rs. 146, up from Rs. 139 a year ago.

## Majority of users say they will stop using UPI if transaction fee is levied: Survey

**NEW DELHI.** Around 75 per cent UPI users will stop using it if any transaction charge is levied on the service, a survey by Localcircles said on Sunday. The survey found that 38 per cent of users make over 50 per cent of their payment transactions via UPI instead of debit, credit or any other form of digital transaction.

"Only 22 per cent UPI users surveyed are willing to bear a transaction fee on payments, 75 per cent of respondents stated that they will stop using UPI if a transaction fee is introduced," the survey said.

The survey comprising three broad areas claims to have received 42,000 responses from 308 districts but the number of replies on each question varied. The questions regarding transaction fee on UPI received 15,598 responses.

The National Payments Corporation of India (NPCI) posted a record 57 per cent rise in the volume of transactions and 44 per cent rise in value in the 2023-24 fiscal year, compared to the previous fiscal year. For the first time UPI transactions crossed 100 billion and closed at 131 billion in a financial year, compared to 84 billion in 2022-23. In value terms, it touched Rs 199.89 trillion, compared to Rs 139.1 trillion, the report said.

The survey found 37 per cent of respondents shared UPI transaction accounts for more than 50 per cent of their total payment in value terms."With UPI rapidly becoming an integral part of nearly 4 in 10 consumers, there is strong resistance to any kind of direct or indirect transaction charges being imposed. LocalCircles will escalate the findings of this survey with the Ministry of Finance and Reserve Bank of India (RBI) so that the pulse of the UPI user is taken into account before any MDR charges are permitted," the survey report said. The survey was conducted online between July 15 to September 20.

# Luxury carmakers Mercedes, Audi, BMW expect robust sales this festive season

> The luxury car market in India currently remains very small accounting for less than 2 per cent of the overall passenger vehicle market in the country.

**NEW DELHI.** Luxury carmakers Mercedes-Benz, Audi and BMW are eyeing robust sales during the festive period this year with demand for high-end cars continuing to see an upward trend in India.

In an interaction with PTI, Mercedes-Benz India MD and CEO Santosh Iyer said the luxury car segment is set for its best-ever performance this year with festive season offtakes playing a major role in the overall performance.He noted that the festive season generally gives high double-digit sales growth, helping the automaker to average out single-digit growth of the earlier quarter. "So in that sense, on an average, then we are able to get a double-digit growth during the festive season," Iyer stated.

Elaborating on the overall industry, which still remains a very small part of the overall passenger vehicle market in the country, he said the segment is headed for record volumes this fiscal year but not all players are witnessing growth. "Some (companies) are even degrowing, some are flat and they are facing headwinds, but because we are the primary player in the market, we still feel the luxury car market should cross 50,000-51,000 cars this year," Iyer said.

The luxury car market in India currently remains very small accounting for less than 2 per cent of the overall passenger vehicle market in the country.

Audi India Head Balbir Singh Dhillon said the demand in the last few months has grown steadily and the company expects this to continue in the period ahead. "We are working relentlessly with our HQ to get additional allocations for India, to fulfil this growing demand," he stated.

Having said that, one cannot disregard the fact that the waiting period for Audi cars has gone up owing to demand and supply mismatch, he added. "It is also important to mention that the prevailing Global challenges are not only impacting the adequate supply of new cars, but also instilling pressure on the prices," Dhillon stated. With the upcoming festive season, Audi is expecting good growth on the back of sustained demand models like A4, A6, Q5, Q7 and Q8.

BMW Group India President Vikram Pawah said the fundamentals of the Indian economy are sturdy and consumer confidence in the luxury segment is on the rise. "For BMW Group India, the order bank is solid and we are trying our best to speed up deliveries for our customers. Along with additional bookings around Diwali and Dussehra, we are confident of closing the year on a high note while clocking impressive growth," he stated.

He noted that the group is witnessing very strong demand for products across all segments. Pawah said that in the run-up to the festive season, the company has introduced several special editions of its existing model range. The festive season usually commences with Onam and ends with Diwali every year.

# Major Drivers For Markets This Week: Global Trends, Trading Activity of Foreign Investors

> Stock markets had a record-breaking rally last week, largely driven by the US Federal Reserve's rate cut.

**NEW DELHI.**Investors will keep a track on global trends and trading activity of foreign investors with no major domestic trigger in sight this week, analysts said and added that markets may face volatility amid the monthly derivatives expiry. Stock markets had a record-breaking rally last week, largely driven by the US Federal Reserve's rate cut. Historically, rate cuts in the US have had a positive impact on emerging markets, with India being a favoured bet among global investors, Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart Ltd, said. The highlight of the week was the aggressive buying by Foreign Institutional Investors (FIIs), who poured in over Rs 14,000 crore on Friday alone, he added. "There are no major triggers expected this week, but upcoming macroeconomic data from the US will be crucial to monitor. FII flows will remain a key factor for the Indian equity market, alongside domestic institutional inflows, which will also play an important role."While markets currently seem unfazed by geopolitical risks, these factors could pose a significant threat to the ongoing bullish momentum. As we approach the September F&O expiry, heightened volatility is likely," Meena said. The 30-share BSE Sensex jumped 1,359.51 points or 1.63 per cent to settle at an all-time high of 84,544.31 on Friday. During the day, it soared 1,509.66 points or 1.81 per cent to hit the momentous intra-day peak of 84,694.46.

The NSE Nifty surged 375.15 points or 1.48 per cent to close at a record 25,790.95 level. During the day, the gauge zoomed 433.45 points or 1.70 per cent to reach an all-time intra-day peak of 25,849.25. Last week, the BSE benchmark jumped 1,653.37 points or 1.99 per cent and Nifty surged 434.45 points or 1.71 per cent. Siddhartha Khemka, Head – Research, Wealth Management, Motilal Oswal Financial Services Ltd, said, "Markets are gradually climbing up and we expect this positive momentum to continue this week backed by strong FII inflow, healthy domestic macros, and receding concern about the US economy slowing down."Movement of rupee against the US dollar and global oil benchmark Brent crude will also influence trading in the markets.

"Although the major event of the Fed's rate cut is behind us, attention will remain on the US markets for further direction.

## Banks asked to have clear policy for debt recovery

**NEW DELHI.** Finance ministry has asked banks to have a clearly defined policy for small and high-value cases pending in Debt Resolution Tribunals (DRTs) for 'optimising' recovery. The ministry has also asked the banks to put in place effective monitoring and oversight mechanisms for management of pending cases in DRTs.

These instructions were given to banks in a conference chaired by M Nagaraju, secretary, the Department of Financial Services (DFS), Ministry of Finance on Saturday in New Delhi. Chairpersons of Debt Recovery Appellate Tribunals (DRATs) and presiding officers of Debt Recovery of Tribunals (DRTs) also attended the meeting.

During the meeting, a whole gamut of issues were discussed concerning the functioning of DRTs and ways to make recovery procedures more efficient. The meeting also discussed some of the best practices followed in DRTs, which can be adopted across DRTs for better outcome. In the meeting, the banks were also instructed to take into account the transaction costs while pursuing pending recovery cases.

# Elon Musk decides to comply with Brazil's legal orders to end month-long clash

**Bloomberg.** Elon Musk backed down and decided to comply with court orders in Brazil, an attempt to end a monthslong clash that culminated in million-dollar fines and the banning of his social network X in Latin America's largest economy.

X appointed a legal representative in the country on Friday, seeking to obey a deadline imposed by the Supreme Court and end the ban on the social-media platform in the country that began Aug. 30, according to a judicial filing.

The company formerly known as Twitter also informed the court that it followed previous orders and blocked accounts allegedly responsible for disseminating hate speech and fake news, two people familiar with the matter who can't publicly discuss a case under seal said Saturday. The company had until now resisted abiding by orders from the court. Justice Alexandre de Moraes gave X five days to provide further information on its legal representation, according to a new order filed on Saturday. It also granted the court's secretary 48 hours to verify if earlier orders were respected. The court will then be able to make a decision on whether to reinstate X in Brazil after a review. "Clarifications and information in response to Moraes' order" were presented to the court, the law firm hired by X said in a statement late Friday in Brazil. X is now represented by Rachel de Oliveira Villa Nova Conceição in Brazil, according to a court document first reported by CNN Brasil. Although X informed the Supreme Court on Wednesday that it had appointed two attorneys in the country, Moraes gave the company 24 hours to prove lawyers were hired on its behalf. The deadline ended at 9:29 p.m. local time Friday, according to the court.In April, Musk pledged to defy orders from Moraes, who is spearheading a judicial campaign against hate speech and fake news, to suspend certain accounts in the country. The world's richest man accused the judge of censorship, while Moraes opened a criminal inquiry into Musk and accused him of spreading disinformation.

This week the platform abruptly became accessible to Brazilian users after an automatic update switched the way it directs traffic, the country's association of internet providers said. Moraes ordered X to restore a block on its site Sept. 19 or face fines of 5 million reais ($907,000) a day, accusing it of attempting to "disobey" the court. A spokesperson for X said late Sept. 18 that a change to its network provider following the ban had caused an "inadvertent and temporary service restoration to Brazilian users."Brazil's telecommunications watchdog said in a statement Sept. 19 that the conduct of X demonstrates "deliberate intention to disregard the order of the Supreme Court" and that "any new attempts to circumvent the block will merit appropriate measures" from the regulatory agency.

## NCLAT rejects tax claim against Reliance Communications

**NEW DELHI.** The NCLAT has set aside a petition filed by the tax department claiming dues from Reliance Communications (RCom). The tribunal observed that the claim was based on the assessment made after the initiation of insolvency resolution process against the debt-ridden firm.

An NCLAT bench upheld the earlier order passed by the Mumbai bench of the National Company Law Tribunal (NCLT), which had rejected the state tax department's second claim of Rs 6.10 crore. Corporate Insolvency Resolution Process (CIRP) against RCom was initiated on June 22, 2019. The state tax department had filed two claims. The first claim was filed on July 24, 2019, for Rs 94.97 lakh and a second was filed on November 15, 2021 for Rs 6.10 crore, which arose out of an assessment order dated August 30, 2021.

The NCLT had admitted the first claim, which was passed before the initiation of CIRP. However, it did not accept the claim which was based on an assessment order passed in 2021. The Committee of Creditors (CoC) of RCom also approved the plan on March 2, 2020, and the subsequent claim was filed by the state tax department on November 15, 2021.

# Succession Wars: Inside Murdoch family's fight for power and control of Fox News

**New Delhi.** With great power comes great responsibility, but what lurks behind it is the battle to possess power and control. It's a tale as old as time, played out in everything from Shakespeare's 'King Lear' to the HBO series 'Succession.'

In the glittering world of the ultrarich, family feuds aren't just about who gets grandma's china or dad's vintage car collection. They're high-stakes battles for control of vast empires, played out in boardrooms and courtrooms. But while we binge-watch fictional families tearing themselves apart over empires and egos, a real-life drama is unfolding.

The Murdoch family, one of the most powerful media dynasties in the world, is currently engaged in a bitter battle for control of their media empire. This fight isn't just about money; it's about the future of Fox News and the direction of the family's legacy.

Let's look at how it all began and where the family stands now regarding its succession plans. Newspaper boy to media mogul

Keith Rupert Murdoch's story reads like a classic rags-to-riches tale, the kind that would make a great Netflix series. Born in Australia, he inherited a small Adelaide newspaper at 22.

With a mix of sharp business acumen and a nose for what sells, Murdoch, now 93, turned that single paper into a global media powerhouse. News Corp, Fox News, The Wall Street Journal are just a few jewels in the Murdoch crown.

But as he ages, the question of who will control this empire after him has become a source of tension and division within the family.

A family at war

At the centre of the Murdoch family feud is a trust set up in 1999, which was supposed to divide voting power equally among Rupert's four eldest children: Lachlan, James, Elisabeth, and Prudence.

This arrangement was intended to ensure that each child had an equal say in the future of the family business. However, things took a sharp turn in 2023 when Rupert Murdoch announced his desire to change the trust, aiming to give Lachlan more control.

Murdoch children

Lachlan, the golden boy, has been groomed for leadership since his teens. He's cut from the same cloth as his father - conservative, business-savvy, and all for keeping Fox News on its current path.

James, on the other hand, is the family rebel. He's more liberal-leaning and has been vocal about his disagreements with Fox News' editorial stance. In 2020, he didn't just leave the family business - he slammed the door on his way out, criticising Fox's climate change coverage and political bias.

Elisabeth, often overlooked in the media frenzy, is a successful businesswoman in her own right. She's carved out a niche in the entertainment industry and tends to stay out of the political fray. And then there's Prudence, the eldest and often the quietest. She's less involved in the day-to-day operations but still has a stake in the outcome.

# Olympic-level facilities, discounted metro pass: ABVP releases manifesto for DUSU polls

**From 2009 to 2019, the ABVP has been a dominant force in the DUSU elections, winning the presidential candidate seat seven times.**

**NEW DELHI:** Rashtriya Swayamsevak Sangh (RSS)-affiliated Akhil Bharatiya Vidyarthi Parishad (ABVP) on Saturday released its manifesto for Delhi University Students' Union (DUSU) with a key highlight of introducing Olympic-level games and sports facilities at the campus. The student union promised to implement 'one course, one fee', set up an internal complaints committee and gender sensitisation cells, provide a facility for gynaecologists and psychological counsellors, and integrate the hostel allocation process for PG students.The manifesto also includes setting up college placement cells, conducting large-scale job fairs, providing for a Student Representative Coordination Committee to ensure the safety of students living in off-campus hostels, increasing scholarships for OBC/ SC/ST students with adjustments for Dearness Allowance, supplementary exams for final-year students, and, among other things, discounted metro passes for all students.The ABVP said its manifesto "My DU, My Manifesto" incorporates suggestions from over 24,000 students. Meanwhile, the student union has nominated Rishabh Chaudhary for president and Bhanu Pratap Singh for vice president. Mitravinda Karanwal and Aman Kapasia have received tickets for the contest secretary and joint secretary posts, respectively.

From 2009 to 2019, the ABVP has been a dominant force in the DUSU elections, winning the presidential candidate seat seven times. The NSUI, on the other hand, has secured the seat three times.In 2023, after a four-year hiatus due to Covid-19, the ABVP once again emerged victorious in the presidential race. "I wish to work on developing facilities and encouraging students to participate in sports activities." ABVP's Aman Kapasia, who has been a national Archery player, said.

## Human Rights Body Seeks Centre's Response On EY Employee's Death

**Anna Sebastian Perayil, a 26-year-old employee at Ernst & Young (EY), died in July 2024, allegedly due to excessive workload and intense work pressure, according to her family.**

**New Delhi:** The National Human Rights Commission (NHRC) has sought a detailed response from the Union Ministry of Labour and Employment over the death of a young chartered accountant in Pune. Anna Sebastian Perayil, a 26-year-old employee at Ernst & Young (EY), died in July 2024, allegedly due to excessive workload and intense work pressure, according to her family.

In a statement issued on Saturday, the NHRC expressed grave concern over the circumstances surrounding Ms Perayil's death. It called on the Union Ministry of Labour and Employment to provide a comprehensive report on the case, including details of the ongoing investigation. Union Labour Minister Mansukh Mandaviya confirmed that the ministry is looking into the matter.According to the NHRC, the reports surrounding Ms Perayil's death raise serious concerns about the mental and physical toll of corporate work culture on young employees, particularly those in high-pressure industries like finance, consulting, and law. Stress, anxiety, sleeplessness, and the relentless pursuit of impossible targets have, the NHRC noted, led to "grave violations of their human rights.

In response to the growing concerns around workplace safety, the NHRC has constituted a 'Core Group on Business and Human Rights.' This body will review current labour legislations and regulations, aiming to create robust recommendations for both central and state governments. The core group's objective is to ensure that businesses in India align their practices with global human rights standards and create healthy, humane work environments."Every employer has a prime duty to provide a safe, secure, and positive environment for its employees. It is vital that businesses regularly update and revise their employment policies to reflect their commitment to human rights," the NHRC's statement read.

The death of Ms Perayil, who had been working at EY's Pune office for only four months, has drawn attention to corporate work culture. Her mother's emotional letter to the company, which has since gone viral, accused the firm of creating an unbearable working environment that led to her daughter's death. In her letter, she pointed out the long hours, intense pressure, and the prioritisation of work over employee well-being as factors that caused her daughter's deteriorating mental and physical health.Ms Perayil reportedly died of cardiac arrest, but her family claims that the extreme workload and stressful work environment were the real cause.

## Bangladesh lifts hilsa export ban, approves 3,000 tonnes to India for Durga

**Weeks after imposing a ban on hilsa exports to India, Bangladesh on Saturday approved the export of 3,000 tonnes of the fish for the upcoming Durga Puja festival.**

**New Delhi.**The Bangladesh government on Saturday approved the export of 3,000 tonnes of hilsa fish to India to meet the demand during the upcoming Durga Puja festival. The neighbouring country had banned the export of hilsa to India earlier this month, following the change of guard after the fall of the Sheikh Hasina government.Now, Bangladesh's Ministry of Commerce has approved the export of 3,000 tonnes on the occasion of the upcoming Durga Puja, the Daily Star reported.Hilsa is a popular fish in both Bangladesh and India, and it is considered a delicacy during Durga Puja. The festival is celebrated by millions of people in both countries, and the demand for hilsa is expected to be high. The country used to send large consignments of Padma ilish to India during the festive season, which was considered as a goodwill practice facilitated by Awami League leader Sheikh Hasina.

Imposing the ban, the caretaker government under Muhammad Younus, had mentioned that the decision was taken to ensure sufficient supply for local consumers.Bangladesh, which produces nearly 70 per cent of the world's hilsa, takes great pride in this national symbol, as hilsa is also the country's national fish.

In 2012, Bangladesh imposed an export ban on the fish due to disagreements over the Teesta River water-sharing agreement. However, Prime Minister Sheikh Hasina later enabled exports, as the ban caused a steep rise in prices in Indian markets and fuelled an increase in smuggling across the porous India-Bangladesh border. The ban was lifted in 2022.

## Two coursemates, 2 classmates will now head three Armed force services

**New Delhi.**With the appointment of Air Marshal AP Singh as the next Chief of Air Staff, two coursemates and two classmates will now be heading the three services - the Army, Navy, and Air Force. The appointment of Singh was announced on Saturday by the Defence Ministry.While Indian Army Chief General Upendra Dwivedi and Air Marshal AP Singh were coursemates at the National Defence Academy and passed out from there in 1983, General Dwivedi and Indian Navy chief Admiral Dinesh K Tripathi were classmates from the Sainik School, Rewa in Madhya Pradesh.This strong friendship amongst the three service chiefs is expected to enhance coordination and synergy between the Army, Navy, and Air Force.

Born on October 27, 1964, Air Marshal Singh was commissioned into the fighter pilot stream of the Indian Air Force in December 1984. During his long and distinguished service spanning nearly 40 years, he has served in a variety of Command, Staff, Instructional and Foreign appointments.

An alumnus of the National Defence Academy, Defence Services Staff College and National Defence College, Singh is a qualified flying instructor and an experimental test pilot with more than 5,000 hours of flying experience on a variety of fixed and rotary wing aircraft.

During his career, the officer has commanded an operational fighter squadron and a frontline air base. As a test pilot, he led the MiG-29 Upgrade Project Management Team at Moscow, Russia. He was also the Project Director (Flight Test) at National Flight Test Centre and was tasked with flight testing of the Light Combat Aircraft, Tejas.

He has held important staff appointments of Air Defence Commander at South Western Air Command and Senior Air Staff Officer at Eastern Air Command. Prior to assuming the charge of Vice Chief of the Air Staff, he was the Air Officer Commanding-in-Chief of Central Air Command.

## PM gifts silver 'Delhi-Delaware' train to Biden, Pashmina shawl to First Lady

**During his three-day US visit, Prime Minister Narendra Modi gifted President Joe Biden a rare, antique silver hand-engraved train model crafted by Maharashtra artisans and also presented a Pashmina shawl in a papier-mâché box to First Lady Jill Biden.**

**New Delhi.** Prime Minister Narendra Modi, currently on a three-day visit to the US, presented an antique silver hand-engraved train model as a gift to President Joe Biden. This vintage model is a rare and extraordinary piece, meticulously crafted by artisans from Maharashtra, a region known for its rich silver craftsmanship heritage.Made from 92.5% silver, the model showcases the finest Indian metalworking techniques, featuring intricate details achieved through traditional methods such as engraving, repoussé (hammered designs), and delicate filigree work. The piece pays homage to the steam locomotive era, blending artistic brilliance with historical significance.To symbolize the strong ties between India and the US, the model was customized with "DELHI - DELAWARE" inscribed on the sides of the main carriage and "INDIAN RAILWAYS" engraved on the engine in both English and Hindi, following the format commonly seen on Indian passenger trains.

This masterpiece not only highlights the extraordinary skill of Indian artisans

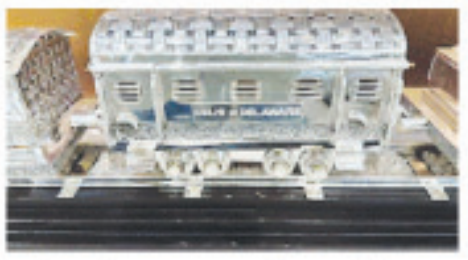

but also serves as a tribute to the long and storied history of Indian railways and its global impact.In addition, Prime Minister Modi gifted a Pashmina shawl in a papier-mâché box to US First Lady Jill Biden.The story of a Pashmina shawl begins with the Changthangi goat, native to the high altitudes of Ladakh. Its soft winter coat, called Pashm, forms the essence of the shawl. The fiber, known for its exceptional softness and fineness, is hand-combed and spun by skilled artisans using time-honored techniques passed down through generations.

The vibrant colors of the shawls are derived from natural dyes sourced from plants and minerals, reflecting the diverse landscapes of the region. Traditionally, Pashmina shawls are packaged in papier-mâché boxes from Jammu and Kashmir, which are handcrafted using paper pulp, glue, and natural materials. Each box is a unique work of art, representing the rich cultural heritage of Kashmir.

PM Modi is on a 3-day trip to the US for the Quad Summit. He met President Biden before the summit at his residence to hold bilateral talks where the two leaders discussed ways to grow US-India relations and address regional and global conflicts.

## "Had To Beg To Pay Son's Fees": Manish Sisodia Recounts Time After Arrest

**New Delhi:**Manish Sisodia, senior Aam Aadmi Party (AAP) leader and Delhi's former deputy Chief Minister, said attempts were made to turn him against Chief Minister and party colleague Arvind Kejriwal following his arrest in a corruption case linked to the national capital's now-scrapped liquor policy."They tried to break me. I was told that Arvind Kejriwal had framed me. They told the court that Arvind Kejriwal named Manish Sisodia. I was told in the jail, 'name Kejriwal, you will be saved'," Mr Sisodia said at a party event called Janata ki Adalat (people's court).

This comes days after Mr Kejriwal resigned as Chief Minister and said he would only return to the post after the people deliver a verdict in his favour in the upcoming Assembly election in Delhi. Mr Sisodia, too, has said that he will take up a role in the Delhi government only after the people's verdict. Mr Kejriwal made the surprise announcement to resign after being granted bail in the Delhi liquor policy case. Senior AAP leader has now been sworn in as Chief Minister.Earlier, Mr Kejriwal had alleged in the court

that the media, citing CBI sources, was reporting that he had put the entire blame on Manish Sisodia. "I have not given any statement that Sisodia is guilty or anyone else is guilty. I have said Sisodia is innocent, AAP is innocent, and I am innocent," he said.

Addressing today's event, Mr Sisodia alleged that people in the BJP asked him to switch over. "I was told that no one thinks about anyone in politics. I was told to think about my family. I told them that you are trying to separate Laxman from Ram. No Raavan in the world has the power to do that. For 26 years, Arvind Kejriwal has been my brother and political mentor," he said.Recounting the financial difficulties he faced after his address, Mr Sisodia said, "In 2002, I bought a flat worth ₹ 5 lakh, it was taken away. I had ₹ 10 lakh in my account, that was taken away too. I had to beg for help to pay my son's fees."r Sisodia was in jail for nearly one-and-a-half years before he was granted bail last month. During this time, he resigned as Delhi's deputy chief minister and gave up several other portfolios he held.At the AAP gathering in Jantar Mantar today, Mr Sisodia said he knows that people are somewhat upset because Mr Kejriwal is no longer the Chief Minister. "It is a matter of three or four months, he will be Chief Minister again."

# Delhi Hardlook: How safe are women medicos in govt hospitals in the Capital?

**The rape and murder of a resident doctor at R G Kar Medical College and Hospital in Kolkata has put the spotlight on the lack of security that women medical professionals face at government hospitals. Anonna Dutt and Ankita Upadhyay visit three government hospitals in Delhi.**

**New Delhi.**Spread across three interconnected buildings, at the government-run Guru Teg Bahadur (GTB) Hospital in East Delhi, a youth (18), barged inside a ward and shot dead a patient (32), on July 14. As the doctor on duty and attendants watched in horror, the teenager escaped via the hospital's multiple entry and exit points, some of which are not manned.From the rape and murder of a junior doctor in Kolkata's R G Kar Medical College and Hospital on August 9 to healthcare providers at another Delhi hospital reportedly being attacked by a patient's attendant on August 24 — security for healthcare providers at government hospitals has been found wanting.A recent visit by the The Indian Express to the GTB Hospital and Dr Hedgewar Aarogya Sansthan in Shahdara revealed a grim reality.

From crumbling buildings, guards rushing from one section to the other to manage crowds to women doctors facing sexual harassment and common doctors' duty rooms whose toilets many women residents refuse to use — the conditions at these tertiary-care hospitals were found severely lacking.Ironically, smaller secondary care hospitals had better security measures in place, proportionate to the number of people who visit these institutes.

**Festive offer**

Despite several attempts, Medical Superintendent Dr Ashmita Rathore, responsible for both the hospitals, could not be contacted for a comment.

**Outdated infrastructure**

Located in Dilshad Garden, nearly 7,000 patients visit the out-patient department at the GTB Hospital each day, making it one of the busiest hospitals in the Capital.A recent visit by The Indian Express revealed the absence of security guards at some of the hospital's multiple entry and exit points — which proved to be key in the escape of the teenager who allegedly shot dead a patient in July. "All the hospital gates are jammed and cannot be quickly closed in case of an emergency (like a kidnapping, shooting, etc)," says a resident doctor.

Resident doctors say patients cram into the old consultation rooms, about 5×5 feet in size, which are neither properly ventilated nor air-conditioned. "Patients are always crowding the rooms and there aren't enough guards around. If we leave our bags in these rooms, it's common for our wallets or phones to go missing," says a female resident doctor.

Her colleague adds, "At times, patients touch us inappropriately. Some have even touched my thighs and back to show me where they are hurting. One patient showed me his nudes under the guise of showing me his X-rays on his phone."The guards are always busy controlling the crowds at the hospital's various clinics and are unable to respond to such daily occurrences, say the two resident doctors.

News box

## Israel Raids And Shuts Down Al Jazeera's Bureau In Ramallah In West Bank

**Dubai.** Israeli troops raided the offices of the satellite news network Al Jazeera in the Israeli-occupied West Bank early Sunday, ordering the bureau to shut down amid a widening campaign by Israel targeting the Qatar-funded broadcaster as it covers the Israel-Hamas war in the Gaza Strip.Al Jazeera aired footage of Israeli troops live on its Arabic-language channel ordering the office to be shut for 45 days. It follows an extraordinary order issued in May that saw Israeli police raid Al Jazeera's broadcast position in East Jerusalem, seizing equipment there, preventing its broadcasts in Israel and blocking its websites.The move marked the first time Israel has ever shuttered a foreign news outlet operating in the country. However, Al Jazeera has continued operating in the Israeli-occupied West Bank and in the Gaza Strip, territories that the Palestinians hope to have for their future state.There was no immediate acknowledgement of the shutdown by Israeli forces. The Israeli military did not immediately respond to a request for comment from The Associated Press. Al Jazeera denounced the move as it continued broadcasting live from Amman in neighboring Jordan.Israeli troops entered the office and told a reporter live on air it would be shut for 45 days, saying that staff needed to leave immediately. The network later aired what appeared to be Israel troops tearing down a banner on a balcony used by the Al Jazeera office.

## Quad Leaders Condemn 26/11 Mumbai, 2016 Pathankot Attacks In An Apparent Reference To Pakistan

**Washington**.In a veiled reference to Pakistan, leaders of the Quad grouping on Saturday denounced the 26/11 Mumbai attack and the 2016 Pathankot attack, seeking strong action against the perpetrators of terrorism through the UN Security Council's 1267 Sanctions Committee.

In a joint statement released on Saturday, the Quad leaders unequivocally condemned terrorism and violent extremism in all its forms and manifestations, including cross-border terrorism. They committed to working together to promote accountability for the perpetrators of terrorist attacks.

**MUMBAI, PATHANKOT ATTACKS**

"We reiterate our condemnation of terrorist attacks, including the 26/11 attacks in Mumbai and the Pathankot attack, and our commitment to pursuing designations, as appropriate, by the UN Security Council 1267 Sanctions Committee," the joint statement read after the fourth in-person Quad Leaders Summit, hosted by US President Joe Biden in Wilmington, Delaware.

## 'I tried...': British-Indian girl, 8, tortured and starved to death by mother, her 'wicked' lover wrote painful last words

**UNITED NATIONS.** Ayesha Ali, an eight-year-old British-Indian girl, untimely passed away in August 2013 after being tortured by her brainwashed mother and her "wicked" lover in East London.

A new report by The Sun has now revealed the heart-wrenching final words of the young girl who was locked away all summer while other children of her age were rejoicing in the 2013 Summer. Ali's mother, Polly Chowdhury, though once described as a "perfect" mum, was eventually "bewitched" by her neighbour and lover, Kiki Muddar, who convinced her that the eight-year-old innocent girl was evil. Muddar also gaslighted Chowdhury into believing that her husband was unfaithful, ultimately compelling her to kick him out of the house so that she could move in. As soon as Muddar entered the family's house in Chadwell Heath, East London, the "wicked" woman became bent on turning Ayesha's life into a "living hell." Subjecting her to a "life of cruelty and misery that defied belief," both women tortured Ali at night, almost as if in a terrifying episode pulled straight out of a horror movie. They wore "vile masks" to scare the kid as Muddar's questionable self-serving fantasy came to life.

**What the British-Indian innocent victim wrote in her notes**

Polly's daughter was reportedly heard screaming through her cries: "Amah (mum), I don't want to be bad, Amah, Amah, I don't want to be bad." She was left with no choice but to jot down a "naughty list," penning everything she had supposedly done wrong, like "pulling faces," "telling lies," "making a fuss," "ignoring someone," "not listening," "being rude," "not putting my shoes in the right place" and more. After her death, police released the heartbreaking notes and letters written by Ayesha. Extracts from the letter read: "..I'm not just letting myself down but I am letting my family and Kiki down as well.""It's the weekend today and most of my friends are probably having a laugh, watching telly, where as I am just sitting here making notes.

# Trial in daytime ambush of rapper Young Dolph 3 years ago to begin in Memphis

**Trial in daytime ambush of rapper Young Dolph 3 years ago to begin in Memphis**

**MEMPHIS, Tenn.** Young Dolph grew up riding his bike and playing basketball in a Memphis, Tennessee, neighborhood and later built a rap career that included ownership of an independent music label, Paper Route Empire.He became beloved locally for his charitable works: donations to local high schools, paying rent and covering funeral costs for others, Thanksgiving turkey giveaways.He was in Memphis to hand out turkeys to families at a church when a visit to his favorite cookie shop near his childhood home turned into an event that shocked the city and the entertainment world.

Young Dolph, whose real name was Adolph Thornton Jr., was gunned down in a daylight ambush on Nov. 17, 2021.Nearly three years later, a trial in the 36-year-old rapper's killing is scheduled to begin Monday. Justin Johnson has pleaded not guilty to first-degree murder and is scheduled to face a jury from the Nashville area after a defense attorney argued that intense media coverage and social media attention would make it hard to seat a jury from Memphis.

Another man, Cornelius Smith Jr., also was charged with first-degree murder. He is not scheduled for trial on Monday, said his lawyer, Michael Scholl. Smith also has pleaded not guilty.Young Dolph's family and friends have been patiently awaiting a trial and are praying for justice for the father of two children, said Carlisa Brown, his older sister."We want everyone involved to get what they deserve," she said in a phone interview. "It was a very senseless murder."On the day the rapper was shot, two men got out of a stolen Mercedes-Benz and fired shots into Makeda's Homemade Cookies before fleeing, authorities say. As they searched for the suspects, police released photos taken from surveillance video that captured two men getting out of a Mercedes and firing into the store.

After more than a month on the run, Johnson was captured in January 2022 in Indiana. Smith was arrested on an auto-theft warrant involving the Mercedes.Authorities have not released a suspected motive. Two other men also have been charged in the shooting.

Hernandez Govan has pleaded not guilty to organizing the killing. Jermarcus Johnson pleaded guilty in June 2023 to three counts of serving as an accessory after the killing by helping Smith and Justin Johnson, his half-brother.Jermarcus Johnson acknowledged helping the two shooting suspects communicate by cellphone while they were on the run from authorities and helping one of them communicate with his probation officer. Jermarcus Johnson has not been sentenced.Right after the shooting, the bakery turned into a makeshift memorial for Young Dolph, with fans praying in the parking lot and writing messages of condolences and love on plywood covering the shot-out windows. The bakery closed for months but has since reopened.

He also was honored by the Memphis Grizzlies of the NBA during a game. Murals of the rapper were painted around the city. A neighborhood street was named after him.Known for his depictions of tough street life and his independent approach to the music business, he began his career by releasing numerous mixtapes, starting with 2008's "Paper Route Campaign," and multiple studio albums, including his 2016 debut "King of Memphis.

# Kamala Harris set to break a 60-year presidential tradition by skipping....

**Washington**.Vice President Kamala Harris is set to break a 60-year presidential tradition by skipping this year's Al Smith Dinner, making her the second presidential hopeful to do so since Walter Mondale in 1984. Meanwhile, former President Trump has confirmed his attendance at the October 17 event, the dinner benefitting Catholic Charities. According to Harris' campaign, will instead campaign in key battleground states during this critical period leading up to Election Day.

**Kamala Harris to skip Al Smith Dinner**

In a decision that may ruffle some feathers, Democratic nominee Kamala Harris, who entered the race mid term, after President Biden stepped down following a debate mishap with Trump, will skip this year's Al Smith charity dinner in New York.

The event, which has been a tradition since Richard Nixon and John F. Kennedy shared the stage in 1960 while throwing barbs at each other, is known for fostering "collegiality and healthy humor," with presidential candidates from both parties appearing together and exchanging lighthearted jabs.Archdiocese spokesperson Joseph Zwillng reflecting on the guest list of 79th iteration of the iconic dinner informed the Post that Harris won't attend the scheduled event. "We are disappointed that she will not be with us," he said. "As this is an evening of unity and putting aside political differences in support of a good cause of helping women and children in need regardless of race, creed, or background," Zwiling continued hoping the campaign to reconsider their choice of skipping.Donald Trump to mark his attendance at the white-tie galaFollowing Trump's 2016 appearance at the gala, where he was met with boos from the audience after accusing Democrat Hillary Clinton of being corrupt and claiming she hated Catholics. But, he didn't stop and went on to further remark, "I don't know who they're angry at, Hillary, you or I. For example, here she is tonight, in public, pretending not to hate Catholics." Trump's team has now confirmed his attendance at the 79th Archdiocese of New York's dinner on October 17, according to the Post.

## Hezbollah Launches Missile Attack At Israel Military Base After Deadly Airstrikes Kills 37 In Beirut

**BEIRUT, Lebanon.** (AP) — The Lebanese militant group Hezbollah announced that it fired a barrage of missiles at a military base deep inside Israel early Sunday following an Israeli airstrike more than a day earlier that killed at least 37 people, including one of the militant group's senior leaders as well as women and children. It was not immediately clear if any of the rockets had hit their target. Israel's emergency medical services reported that a man was lightly wounded by shrapnel from a missile that was intercepted in a village in the lower Galilee.Local media reported that rockets shot from Lebanon were intercepted in the areas of Haifa and Nazareth. The Israeli military said only that it had monitored the launch of "about ten rockets" from Lebanon, of which most were intercepted.

Hezbollah said it had launched "dozens of Fadi 1 and Fadi 2 missiles" - a new type of weapon the group had not used before - at the Ramat David airbase, southeast of Haifa, "in response to the repeated Israeli attacks that targeted various Lebanese regions and led to the fall of many civilian martyrs."In July, the group had released a video with what it said was footage it had filmed of the base with surveillance drones. Israel and Hezbollah had exchanged heavy fire on Saturday as rescue crews in Beirut searched the rubble of an apartment building that was leveled by the Israeli strike the day before.Hezbollah has vowed to retaliate against Israel for a wave of apparently remotely detonated explosions that hit pagers and walkie-talkies belonging to Hezbollah members Tuesday and Wednesday, killing at least 37 people - including two children - and wounding around 3,000. The attacks were widely blamed on Israel, which has not confirmed or denied responsibility.

## Sean 'Diddy' Combs' creepy advice on how to 'lock up women' at parties to Conan O'Brien resurfaces in old video

**Washington.**Sean "Diddy" Combs' once-controversial party advice to Conan O'Brien has resurfaced in a decades-old video, and it's raising eyebrows in light of recent events. During a 2002 interview with Brien, Diddy discussed his party essentials, confidently bragging about the importance of corralling "beautiful women" and providing ample drinks, including the alarming recommendation to lock women in to ensure they stay. The clip's reemergence comes just as Diddy faces serious sex-trafficking charges, with many celebrities reportedly hesitant to speak out against him.

**Diddy's bragged about his party essentials: beautiful Women and Booze**

During a 2002 appearance on Late Night with Conan O'Brien, Sean "Diddy" Combs boasted about his infamous, days-long parties. The two bonded over the Bad Boy record producer's notorious reputation for extravagant gatherings that was a magnet for Hollywood A-listers.In the video, Combs boasted about throwing "kinky" parties packed with beautiful women and plenty of alcohol. This came after O'Brien jokingly mentioned that he plays Paul Anka's music at his own gatherings and serves "Cheez Whiz," but no one shows up.In response, Diddy emphasized the need to attract "beautiful women" and "handsome men for the ladies." He also mentioned that parties should offer both alcoholic drinks and water, as women prefer staying hydrated and most of the time when its not available at the party they leave.A lot of ladies drink water at parties, so if you don't have what they need, they're going to leave," he said. Now, as the music mogul faces serious charges related to sex trafficking and racketeering, many celebrities who attended these questionable parties over the years have remained silent, likely out of concern for their own reputations.

# The downfall of a Philippine mayor may be linked to Chinese gangs

**World.**The small town of Bamban in the Philippines is fairly unremarkable. But it has become the place of feverish headlines this year ever since allegations emerged that Alice Guo, who was elected mayor of the town in 2022, abused her position to protect online casinos operating from there. Government officials have stated that these gambling hubs were a front for financial fraud, money-laundering, human trafficking, kidnapping, torture and murder. In July the 34-year-old Ms Guo went missing. On September 3rd she was arrested in Indonesia. Ms Guo denies having any links to criminal activity.

Alongside the scam-farm allegations, Ms Guo has also been accused of faking her identity and being a Chinese spy. Ms Guo says she was born and raised on a pig farm in Bamban to a Chinese father and Filipina mother. But in June politicians claimed her name was Guo Hua Ping, and that she was a Chinese national who arrived in the country in 2003 with her family. Ms Guo then allegedly procured a fake birth certificate showing she was born in the Philippines. This allowed her to qualify for a passport and run for mayor. The solicitor-general is now seeking to cancel this birth certificate. Ms Guo's lawyers vow to provide "substantial evidence" of her Philippine citizenship.The claim that she is a Chinese spy is dubious. As hostilities increase between China and the Philippines, some Filipino politicians accuse Ms Guo of being a proxy of the Chinese government. Others have speculated that the Chinese Communist Party secretly supports criminals of Chinese origin in South-East Asia because they steal billions from Westerners through their online cons.

But there is no evidence of this, according to law-enforcement officials in the Philippines and elsewhere in Asia. Although the Communist Party has a record of working with organised crime, especially in Hong Kong, it has long been opposed to the gangs which have set up shop in South-East Asia. The Hong Kong triads sometimes help further the party's aims. The criminals in South-East Asia do not.

The reason these gangs are in South-East Asia is that the Communist Party forced them out of China. When Xi Jinping became leader of China in 2012, he launched a crackdown on corruption and organised crime, including in Macau, the world's largest gambling centre by revenue and once a common destination for wealthy Chinese to launder their money. The Philippines became popular because of its proximity to China and the ease of running online casinos, known locally as Philippines Offshore Gaming Operators, or POGOs. These mostly targeted punters in mainland China, where gambling is illegal. The groups then expanded into scams.Indeed, China's government is infuriated that these criminals continue to target Chinese nationals.

# US tech layoffs hit Indian workers hard amid new visa rules

**World.** A recent wave of layoffs in the US Tech industry has shocked the sector to the core with its disproportionate impact on workers of Indian origin, especially those on H-1B visas. This situation along with the new visa rules introduced has created a challenging new landscape for the immigrant international students and skilled workers in America.

**US tech layoffs**

In a sector once considered to be recession-proof, approximately 438 tech companies have laid off 137,500 employees, as reported by Layoffs.fyi. This has created a scarcity of job options in the tech market. Moreover, the H-1B visa provides a limited timeframe for Indian workers to look and secure for a new job or face having to leave the country. Reports by the U.S. Congressional Research Service suggest that Indian workers have to wait for long periods for green cards, sometimes over 190 years even after meeting every labour requirement. This accumulation of requests has made the unstable situation even worse.

The U.S. Department of State's October 2024 visa bulletin outlined the availability of immigrant visa numbers for the 2025 fiscal year. This bulletin is part of the regular updates provided to inform applicants about which visa categories are open and the status of their applications. This had an impact on various categories of visas including the EB-5 investor visa program, as reported by Telugu360.

**New visa changes and its impact on Indian workers**

The EB-5 visa allows people to get visas by investing in certain projects, like those in rural areas or places with high unemployment. While these visas are available globally, applicants from mainland China and India often face delays. However, there are some signs that processing times are getting better. Along with this, an increase has been implemented in the H-1B visas. The fee increased from $10 to $215 per beneficiary, an astonishing 2150% increase. There has also been an increase in the application fee with paper filing rising from $460 to $780 resulting in a 70% increase.

The new visa changes have also impacted the green card applicants as well. The general filing for an I-30 petition is now priced at $675 for paper filing and $625 for online filing. A new Asylum Fee program was introduced for certain petitions which cost $600. The sift has also been seen for international students as additional scrutiny has been implemented for F, M and J visa applicants. They are now required to provide accurate information about their passports while applying for appointments.On a brighter note, the maximum validity has been pushed forward to five years on Employment Authorization Documents for eligible individuals. This will provide relief on the terms of work permit extensions. Students can still take advantage of practical training opportunities like Optional Practical Training (OPT) and Curricular Practical Training (CPT).

NEWS BOX

## R Ashwin's family applaud his historic 37th five-wicket haul in Chennai

**New Delhi.** Star India spinner Ravichandran Ashwin picked his 37th five-wicket haul in Tests on Day 4 of the first Test against Bangladesh at MA Chidambaram Stadium in Chennai to set up a massive 280-run win for India. Bangladesh came into the day on 158/4 needing 357 runs to win as captain Najmul Hossain Shanto and Shakib Al Hasan made India work hard for wickets in the first hour of play.However, Ashwin was up to the task as he gave India their first success of the day by dismissing Shakib in his first over of the day. He further ended the long vigil of Bangladesh skipper Shanto dismissing him for 82 caught at cover.

IND vs BAN 1st Test Day 4 Highlights

He further got rid of Mehidy Hasan Miraz to complete his 37th five-wicket haul in the longest format. Following his historic achievement, his wife Prithi and two daughters were also seen applauding him for his remarkable effort.

The India off-spinner also levelled legendary Shane Warne (37) in the list of most five wicket hauls and climbed to the second spot only behind Muthiah Muralidaran (67).

Ashwin Shane Warne and Courtney Walsh

It was also his second successive fifer at his home ground in Chennai in as many matches. Ashwin finished the game with figures of 6/88 picking Taskin Ahmed as his last wicket. During the match, the off spinner also surpassed legendary West Indies fast bowler Courtney Walsh (519 wickets) in the list of leading wicket takers in Test cricket to climb to the eighth spot in the legendary list with 522 scalps from 101 matches.It was also the fourth instance of Ashwin scoring a hundred and picking a fifer in a same Test match. He's only behind former England all-rounder Sir Ian Botham who has achieved the feat five times in his career.At the other end, his partner in crime Ravindra Jadeja also picked 3/58 in to bundle out Bangladesh for 234. As a result, India went 1-0 up in the series with the second match set to be played in Kanpur from September 27.

## Manager Carlo Ancelotti happy with Real Madrid's comeback win over Espanyol

**Madrid** Real Madrid manager Carlo Ancelotti was happy after his team's impressive 4-1 comeback victory against Espanyol in their LaLiga clash on Saturday. Despite going behind due to an unfortunate error from goalkeeper Thibaut Courtois, Madrid displayed remarkable resilience to turn the game around and secure a dominant win.

Ancelotti was full of praise for his side's composure and attacking prowess. Goals from Dani Carvajal, Rodrygo, Vin-cius Jr., and star signing Kylian Mbappé sealed the victory, erasing Courtois's early second-half own goal."We did well, with combinations inside, even if it didn't all work out. We always kept trying," Ancelotti said in the post-match press conference. "In the second half, with the game open, it's a context that suits us. Tonight was rock & roll. We started well and reacted even better after going 0-1 down. It was a complete

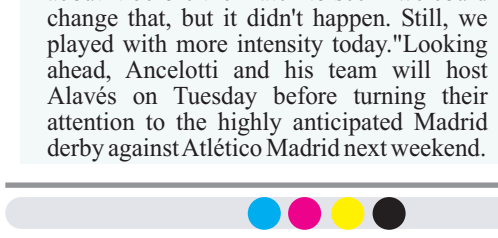

performance."Ancelotti highlighted the team's improved rhythm and chance creation, contrasting it with previous matches where they struggled to build momentum. "We played better than in other matches, with more rhythm and generating more chances. Our defensive recovery was solid, and we pressed well after losing possession. Bit by bit, we are getting back to our best. I am happy with the dynamic we showed today."Real Madrid's unbeaten run in LaLiga, which now stretches to 38 games, continues to demonstrate their consistency. Ancelotti acknowledged that despite injuries and dips in form for some key players, the team is still finding ways to secure crucial victories."We have now gone 38 games unbeaten, and that shows we are doing things very well," he added. However, Ancelotti also noted a concern about the team's slow starts. "This season, we have only scored one goal in the first half. I spoke to the players about it before the match to see if we could change that, but it didn't happen. Still, we played with more intensity today."Looking ahead, Ancelotti and his team will host Alavés on Tuesday before turning their attention to the highly anticipated Madrid derby against Atlético Madrid next weekend.

# Laver Cup: Team World takes 8-4 lead vs Europe as Ruud, Tsitsipas fall in doubles

☛Laver Cup: Ben Shelton and Alejandro Tabilo defeated Stefanos Tsitsipas and Casper Ruud 6-1, 6-2 on Saturday, giving Team World an 8-4 lead over Team Europe after day two of the Laver Cup.

**Berlin.** Team World surged ahead on day two of the 2024 Laver Cup, claiming a commanding 8-4 lead over Team Europe after a series of decisive victories at Berlin's Uber Arena. The day's standout moment came in the evening doubles match, where Team World cruised past Europe's Casper Ruud and Stefanos Tsitsipas in a 6-1, 6-2 victory, placing the team just two wins away from securing a third consecutive Laver Cup triumph.

Saturday's action began with a major upset as Frances Tiafoe toppled former US Open champion Daniil Medvedev in a thrilling match tiebreak. Medvedev had taken the first set, but Tiafoe clawed back to level the match in the second, before overpowering his Russian opponent 10-5 in the decider. Tiafoe's win turned the momentum in Team World's favor.

In the second singles match, Team Europe's Alexander Zverev appeared poised to strike back, leading Taylor Fritz 4-2 in the second set after dropping the first. However, Fritz held firm through a series of punishing rallies, eventually leveling at 4-4 and breaking a visibly fatigued Zverev. Fritz went on to clinch a 6-3, 7-5 victory, further extending Team World's lead.

Europe's lone success on the day came when Carlos Alcaraz made his Laver Cup singles debut, defeating Ben Shelton 6-4, 6-4 in a tight contest. Despite Alcaraz's best efforts, Team Europe's hope of a comeback took a major hit in the final match of the day. The much-anticipated doubles clash saw Team World's Ben Shelton and Alejandro Tabilo dominate from the outset, taking a 6-1 lead in the first set before fending off a brief resurgence from Ruud and Tsitsipas in the second. The Europeans struggled to find their rhythm, with errors at crucial moments costing them chances to get back into the match. Shelton and Tabilo capitalized, winning the second set 6-2 to cap off a near-flawless day for the men in red. Despite the 8-4 deficit, Team Europe still has a chance to reclaim the trophy on Sunday, with three points available for each match. However, based on Saturday's performances, the odds seem to favor another Team World victory.

# It's crazy: Erik Ten Hag unhappy with pundits over Marcus Rashford speculations

Premier League: Manchester United manager Erik Ten Hag hit out at pundits for unwarranted speculation about his relationship with Marcus Rushford after the star forward was benched for their 0-0 draw at Crystal Palace on Saturday.

**London.** Manchester United manager Erik Ten Hag expressed his disappointment over speculation of a strained relationship between him and Marcus Rashford after the star forward was benched in their goalless draw at Crystal Palace in their Premier League match on Saturday, September 21. Despite Rashford's impressive form, having scored three goals in the last two matches, he was surprisingly left on the bench at Selhurst Park.Ten Hag's choice to omit Rashford from the starting lineup raised eyebrows among fans, pundits, and the media. The Manchester United boss addressed the speculation head-on, criticising pundits for their interpretations. He argued that the constant scrutiny and speculation can be misleading and do not always reflect the full context of the team's decisions.

"I heard already speculation from pundits. It's crazy, as a person you are not okay when you bring such speculation when you don't know. It was just rotation. I am very happy with Marcus in everything he is doing," he said.Rashford was eventually introduced into the game as a substitute after 61 minutes, but the match remained goalless. This outcome only added to the debate, with some arguing that Rashford's presence earlier in the game could have made a difference in securing a win for Manchester United. Alejandro Garnacho, who replaced Rashiford in the starting XI, failed to convert two clear-cut opportunities as United were frustrated by Palace.Rashford had scored his first goal since March in United's 3-0 win over Southampton last week. He rode on the momentum and scored twice in their 7-0 decimation of Barnsley in the EFL Cup on Tuesday.

Meanwhile, Ten Hag expressed his disappointment with the draw, but lauded Andre Onana for the clean sheet away from home. Onana made two crucial saves in the second half of the contest."Unbelievable save, Andre is so explosive, he is such a great stopper. It's twice in one action," he said."We all see now how good he is. His reactions are so good, he's so quick and we saw that with the save in the second half."

Manchester United are reeling at the 11th spot in the league table, having won two and lost as many in five matches so far. United will next face FC Twente in an Europa League match on Tuesday.

## IND v BAN: Jasprit Bumrah not rested as India retain same squad for Kanpur Test

**UPDATED** Minutes after India won the first of a two-match series against Bangladesh in Chennai, the Indian cricket board (BCCI) announced an unchanged squad for the second Test, starting September 27 in Kanpur. Contrary to expectations, the senior selection committee, led by Ajit Agarkar, did not rest fast bowler Jasprit Bumrah. Pacers Yash Dayal and Akash Deep retained their places while Sarfaraz Khan and back-up wicketkeeper Dhruv Jurel will also travel with the team.India hammered Bangladesh by 280 runs in Chennai on Sunday, September 22, to take an unbeaten 1-0 lead in the two-match series.

INDIA SQUAD FOR KANPUR TEST VS BANGLADESH

Rohit Sharma (C), Yashasvi Jaiswal, Shubman Gill, Virat Kohli, KL Rahul, Sarfaraz Khan, Rishabh Pant (WK), Dhruv Jurel (WK), R Ashwin, R Jadeja, Axar Patel, Kuldeep Yadav, Mohd. Siraj, Akash Deep, Jasprit

Bumrah, Yash Dayal.India began their long season of Test cricket with a thumping win in Chennai. All eyes have been on workload management, especially for the pacers. It was widely anticipated that Jasprit Bumrah would be rested for the second Test. However, India have retained the full-strength squad.It looks likely that India will rest Jasprit Bumrah for the second Test, considering the long season ahead. After the Kanpur Test against Bangladesh, India will play three Tests against New Zealand in October-November. India will then play a five-Test Border-Gavaskar Trophy since 1991-92. India will need their pace-bowling unit to be at its best for what is expected to be a draining series.Captain Rohit Sharma was thrilled with India's dominant show in Chennai on a pitch that did was quite different to the norm in home Test matches.

"It was a great result looking what lies ahead. Playing after a while but you are in touch with the game. Need to be working as a group, had a good lead-up and got the win," Rohit said.

# Alcaraz fears tennis tour grind will 'kill us'

**BERLIN**. Carlos Alcaraz hit out at the tennis calendar on Saturday, claiming the schedule is "going to kill us".The 21-year-old French Open and Wimbledon champion is currently taking part in the Laver Cup, his 14th tournament of the year.Before arriving in Berlin the Spanish star had already played 50 singles matches in 2024, winning three titles and also collecting a silver medal at the Paris Olympics."Probably they are going to kill us in some way," Alcaraz said Saturday after defeating Ben Shelton in straight sets at the Laver Cup.Alcaraz said that players had different opinions on the topic, but in his view "the calendar is so tight", adding "right now there are a lot of injuries.""Right now a lot of good players are going to miss a lot of tournaments because of that."He added that the crowded schedule meant he sometimes struggled to motivate himself on the tour."Sometimes, you don't want to go to a tournament. I'm not going to lie -- I have felt this way a few times already."Sometimes I don't feel motivated at all. But as I've said many, many times, I play my best tennis when I smile and enjoy it on court. That's the best option to keep motivating (myself)."At the US Open, where he won his first Grand Slam title in 2022, Alcaraz suffered a shock second-round exit to 74th-ranked Botic van

de Zandschulp.He admitted he had blundered by not taking a longer break between the Olympics and New York.At the Paris Games, he lost an emotionally-draining gold medal match to Novak Djokovic, just weeks after sweeping the Serb off court to successfully defend his Wimbledon title."I took a little break after the Olympic Games. I thought it was enough. Probably it wasn't enough. Probably I came here without as much energy as I thought I was going to (have)," he said after his US Open horror show."I have to think about it and I have to learn about it."'ATP doesn't care'World number two Alexander Zverev, also playing at the Laver Cup, agreed with Alcaraz and demanded action."The ATP doesn't care about our opinion -- it's a money business," said the German."It's the longest season in sports. It's unnecessarily long. We have an unnecessary amount of tournaments."Asked if the players would strike, Zverev said "we're not allowed to boycott, we get fined if we don't play tournaments", adding "the tour goes on without you.""We need to do something about it. It's not an easy solution, but a solution which needs to be made."Alcaraz and Zverev will not finish their seasons until late November when the Davis Cup Finals take place in Spain.The 2025 season begins on December 27 with the United Cup in Australia.Meanwhile, Alcaraz said he hopes he and Jannik Sinner can carve out a storied rivalry like that of Djokovic, Rafael Nadal and Roger Federer."I hope so," Alcaraz said when asked if he and world number one Sinner could emulate the dominance of the "Big Three" who amassed 66 Grand Slam titles between them.

# Rishabh Pant eager to retain No. 5 spot in Tests, reveals chat with Rohit Sharma

**New Delhi.** Star wicketkeeper-batter Rishabh Pant wants to retain his position as India's No. 5 in Test cricket as he revealed insights from a conversation with Indian captain Rohit Sharma. The explosive wicketkeeper-batsman, who previously batted lower down the order, is keen to make the most of his new role, where he sees a greater opportunity to score big runs.Pant opened up about the conversation with Rohit during an interaction with JioCinema following India's Test against Bangladesh in Chennai. "There's a difference when a batsman is down the order because I was discussing this with Rohit Bhai. Earlier, when I used to bat at six or seven, the opportunity to score big runs or a hundred was limited. I was telling him this because the tailenders come in, so I play with a different mindset," Pant explained.Pant was promoted to bat at No.5 ahead of KL Rahul in both innings of the Chennai Test, suggesting the team management's faith in the southpaw to anchor the middle order. Pant walked in at a critical juncture, with India reeling at 34 for 3 after the dismissal of Virat Kohli in the first innings. Known for his ability to counter-attack in tough situations, Pant quickly steadied the innings with a 62-run partnership alongside Yashasvi Jaiswal. Although his knock of 39 off 52 balls was cut short after lunch due to an aggressive stroke, his intent to dominate was clear.

Pant's elevation to No. 5 also reaped dividends in India's second innings. Battling through tough conditions on the third day, he registered his sixth Test century, marking a triumphant return to form after recovering from injuries sustained in a car accident in December 2022. His fluent knock of 109 off 128 balls, studded with 13 fours and four sixes, played a pivotal role in India's second-innings declaration at

287 for 4. Pant's 167-run partnership with Shubman Gill was the turning point that helped lift India from a precarious 67 for 3.Pant's reflection on his role at No. 5 highlights his hunger for larger contributions. "But when you have a batsman coming lower down the order, you can bat like a regular batsman and build partnerships, which gives you a chance to score runs. That's the point — if I come lower down the order and score seventy or eighty with the tail, here at number five, there's a chance to score a hundred, one fifty, or even a double hundred," he added.

As India's Test lineup continues to evolve, Pant's growth as a key middle-order batsman could prove vital, especially in high-pressure matches. His newfound ambition to convert starts into bigger scores aligns with India's aspirations of building a formidable batting order. With Rohit Sharma's backing and his own determination, Pant is keen to seize every opportunity at No. 5, a spot that could define the next phase of his Test career.

# Samantha Ruth Prabhu

## Gives Glimpse Of Her Family As She Shares Photos From Brother David's Wedding

Samantha Ruth Prabhu has given first glimpse of her family on social media. She took to her handle and shared photos from her brother David's wedding. Fans have also reacted and are praising her. Samantha opted for a purple colour satin gown for the occasion.Taking to her Instagram handle, Samantha shared photos and wrote, "Family". In the photos, we can see her posing with mother, brothers and other family members. She opted for a purple colour gown and wore minimal makeup. One of the fans wrote, "Holy moly!!!!! You redefined 'drop-dead gorgeous' with your aura and presence Sammy". Another wrote, "Drop dead gorgeous Sammmm."

Samantha Ruth Prabhu recently wrapped up shooting for the Indian spy-action TV series Citadel: Honey Bunny with Varun Dhawan. Despite their busy schedules, the two stars have now found time to begin another much-anticipated project, Rakt Bramhand: The Bloody Kingdom, in Mumbai.

After a brief hiatus, Samantha Ruth Prabhu has returned to the set and has begun filming her next TV series, Rakt Bramhand, with Aditya Roy Kapur. Samantha recently took to social media to share her excitement about being back on set, posting an image featuring a passport-like book with her name on it, alongside a pencil, a luxury backpack, a coffee cup, and a sleep-inducing oil. She captioned it, "Never stop dreaming. Glad to be back on a film set after a while. #Raktbrahmand @d2r_films."Directed by Rahi Anil Barve, the mastermind behind Tumbbad, and produced by Raj & DK of The Family Man fame under their D2R Films banner, the series has officially commenced production. The ensemble cast also includes Ali Fazal and Wamiqa Gabbi.

A report from Mid-Day provided further insights into the show. According to an insider, Rakt Bramhand is Raj & DK's first foray into the action-fantasy genre, set in a fictional kingdom. While managing the production of The Family Man, the duo is also closely overseeing the development of Rakt Bramhand. "The sheer scale of the production is something they haven't attempted before. We started shooting two weeks ago and are currently canning some elaborate action sequences at Bahubali Studio in Borivali," the source revealed.

# Nick Jonas

## Gives Sneak Peek Of His Camera Roll Featuring Moments With Priyanka Chopra, Malti Marie

Nick Jonas and Priyanka Chopra have often given us couple goals. Today, the global singer gave fans a heartwarming glimpse into his camera roll, sharing intimate moments with his wife Priyanka Chopra, and their daughter, Malti Marie. The singer and actor took to social media, offering a sneak peek of the cherished moments he's captured. Fans were quick to react.Taking to his Instagram handle, Nick Jonas shared a video clip that features his moments with Priyanka Chopra, Malti Marie, his brothers and his father. He did not write anything for the caption but dropped a heart emoji. One of the fans called them a power couple. Many dropped heart emojis.

Nick Jonas, Priyanka Chopra's husband, celebrated his 32nd birthday on September 16. The multi-talented American singer marked the occasion with a special celebration, thanks to his proud wife. Priyanka Chopra shared a heartwarming carousel of cherished moments with Nick and their daughter, Malti Marie, to make the day even more memorable.Priyanka posted a carousel with the caption, "Happiest birthday to the best husband and dad. You make all our dreams come true .. everyday.. we love you @nickjonas." The first image in the carousel was a heartwarming family portrait, with Nick and Priyanka standing close together as their little girl, Malti, playfully peeked between them. Priyanka looked stunning in a vibrant orange dress, while Nick sported a casual yet stylish look in a white T-shirt paired with a blue jacket and matching trousers.

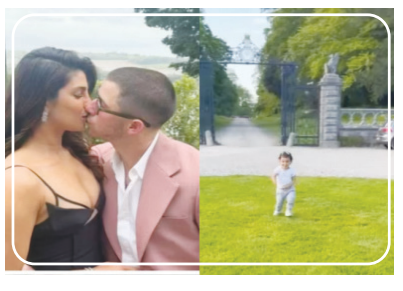

Meanwhile, Nick's brother Kevin Jonas also shared a post on his Instagram to wish him "Happy Birthday!!" In the picture accompanying the wish, the brother duo was seen walking with Nick and Priyanka's little munchkin. On the other hand, a couple's fan page shared a video from The Jonas Brothers' recent concert. In the clip, Nick's brother, Joe Jonas, encourages the audience to sing the "Happy Birthday" song for his brother while an overwhelmed Nick proceeds to blow the candle on a huge cake.On the work front, Priyanka recently completed shooting for The Bluff and is now moving to her next project, Citadel Season 2. In addition, she has Heads of State and Jee Le Zaraa in the pipeline. Meanwhile, Nick will be next seen in Power Ballad.

# Selena Gomez Slams Trolls For Trying To Victimise Her After Revealing Inability To Carry Children

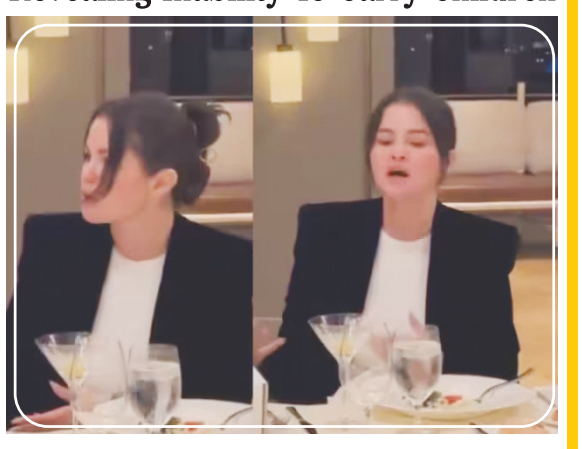

Singer and actress Selena Gomez recently got candid about her inability to carry children, but instead of letting it bring her down, she's embracing her vulnerability. In a viral clip circulating on X, Gomez made it clear that asking for help isn't something to be ashamed of. "Telling people when you need help or when you want help — that is not shameful," she said during a Women in Film event. The 23-year-old star added, "So yeah, I shared that I can't carry a child. Yeah, I shared that I have bipolar. F–k off. That's what my life is. That's who I am."She further said, "That's why I like to be honest. Because everyone is going through something. I don't have it all put together. I'm not a, you know, whatever. I am me and that's all I can be."

While speaking, she also had some powerful advice for her younger sister, Gracie and the rest of the attendees at the event: "Don't ever let anyone tell you that you're not a good person.""Screw anyone who tells you you're a victim. You're a survivor in my book," she added.Earlier this month, Gomez had opened up in an interview with Vanity Fair, where she shared that adoption and surrogacy are both "huge possibilities" for her. She explained that due to her medical issues, carrying a child would be risky for both her and the baby. "That was something I had to grieve for a while. It's not necessarily the way I envisioned it. I thought it would happen the way it happens for everyone," she admitted.Gomez is grateful for alternative ways to become a mother. "I'm one of those people. I'm excited for what that journey will look like, but it'll look a little different," she told the magazine.

Beyond her fertility struggles, Gomez has always been open about her health battles, from her lupus diagnosis to her mental health. She first revealed her bipolar diagnosis in 2020, telling Elle the following year that it felt like "a huge weight lifted off" once she knew what she was dealing with.

# Ranveer Singh And Atlee Set The Dance Floor On Fire In This Viral Video

Jawan director Atlee is celebrating his birthday today. Many celebrities including Varun Dhawan have wished him. Amid this, an old video has surfaced online which is going viral. Atlee and Ranveer Singh are seen setting the dance floor on fire with their impromptu dance. Fans have reacted to it.In the video, shared by Voompla, we can see Ranveer Singh and Atlee twinning in black and dancing. Other guests present are also joining them. The duo stole the spotlight at director S Shankar's daughter's wedding. Atlee surprised everyone with his moves. Their impromptu choreography included iconic tracks like 'Tattad Tattad,' 'Appadi Podu,' and 'Lungi Dance.' Fans have been quick to flood the comment sections with praise.

Earlier this month, we exclusively reported that the shoot of Farhan Akhtar's Don 3 starring Ranveer Singh and Kiara Advani has been pushed. The third instalment of the franchise, which was supposed to kick off in January of next year, will now go on floors in May-June 2025. The reason behind it is Farhan, who is currently shooting for 120 Bahadur. Keeping up with his commitment to the makers of the film, he wants to wrap it up before taking Don 3 to floors. And now News18 Showsha has yet another exciting update on the film.

A source tells us, "The pre-production work on the film is currently underway. And the prep on the same will begin next year in March as apart from Farhan, Ranveer is also busy with Aditya Dhar's untitled next and recently embraced fatherhood." Ranveer and Deepika Padukone's baby girl was born on September 8. Kiara, on the other hand, is caught up with War 2 co-starring Hrithik Roshan and Jr NTR.On the other hand, Atlee is currently busy with the shoot of Baby John with Varun Dhawan. Keerthy Suresh, Wamiqa Gabbi, and Jackie Shroff are also part of the film.